www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शनिवार
23 मई 2026
वर्ष: 49
अंक: 31 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

पीएम मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति की हुई मुलाकात

रणनीतिक और आर्थिक सहयोग पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और साइप्रस के रिश्तों को नई मजबूती देने की दिशा में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस की नई दिल्ली में मुलाकात हुई। दोनों नेता व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय मुद्दों समेत कई अहम विषयों पर चर्चा करेंगे। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे, जहां केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय (MEA) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रपति को औपचारिक स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मंत्रालय ने इस यात्रा को भारत-साइप्रस साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम बताया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा जून 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक साइप्रस यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच बढ़े सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से हो रही है। दोनों देशों ने रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई देने की प्रतिबद्धता जताई है। नई दिल्ली में राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू उनके सम्मान में आधिकारिक भोज का आयोजन करेंगी।

चंद्रपुर में बाघ ने किया हमला, चार महिलाओं की मौत

चंद्रपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में शुक्रवार सुबह एक बाघ ने चार महिलाओं को मार डाला। यह महिलाएं शुक्रवार की सुबह तेंदू के पत्ते इकट्ठा कर रही थी। तभी यह घटना हुई। यह जानकारी वन अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर सिंदेवाही तहसील के गुंजेवाही गांव के पास हुई।दरअसल, महिलाओं का एक समूह तेंदू के पत्ते इकट्ठा करने के लिए जंगल में गया था, जिनका उपयोग मुख्य रूप से बीड़ी (हाथ से बनी सिगरेट) के प्राकृतिक आवरण के रूप में किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि जब वह पत्ते इकट्ठा करने में व्यस्त थीं, तभी एक बाघ ने हमला किया। इसमें चार की मौत हो गई। मृत महिलाओं की पहचान कावादाबाई मोहुरले (45), अनीताबाई मोहुरले (40), सुनीता मोहुरले (38) और संगीता चौधरी (50) के रूप में हुई है। ये सभी गुंजेवाही की निवासी थीं। हालांकि यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि बाघ ने सभी महिलाओं को एक ही स्थान और समय पर मारा या अलग-अलग स्थानों पर मारा है।

अमित शाह ने 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना की घोषणा की

घुसपैठियों को बाहर करने की शून्य-सहिष्णुता नीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज घोषणा की कि सरकार सीमा पार घुसपैठ के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएगी। उन्होंने बताया कि देश की सीमाओं को सील करने और सभी अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने के लिए एक व्यापक स्मार्ट बॉर्डर परियोजना इस वर्ष शुरू की जाएगी। शाह ने कहा कि अवैध प्रवासन जनसांख्यिकीय बदलाव लाने की एक सोची-समझी साजिश है, और सरकार हर घुसपैठिए की पहचान कर उसे निर्वासित करेगी। विज्ञान भवन में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पदग्रहण समारोह 2026 को संबोधित करते हुए शाह ने यह बात कही। गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर एक अभेद्य सुरक्षा ग्रिड लागू करेगा। उन्होंने घोषणा की कि अगले एक वर्ष के भीतर, स्मार्ट बॉर्डर अवधारणा के तहत, बीएसएफ को ड्रोन रडार और उन्नत कैमरों सहित आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। गृह मंत्री ने बीएसएफ से आग्रह किया कि वह घुसपैठ और पशु तस्करी के मार्गों की पहचान करने और उन्हें बंद करने के लिए राज्य पुलिस, जिला कलेक्टरों और ग्राम पटवारियों के साथ सीधे समन्वय करके अपने खुफिया नेटवर्क का विस्तार करे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा सरकारों के साथ नीतिगत तालमेल इस सुरक्षा ग्रिड को सुविधाजनक बनाएगा। गृह मंत्रालय जल्द ही इन तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ एक बैठक बुलाएगा। वामपंथी उग्रवाद के उन्मूलन का उदाहरण देते हुए शाह ने कहा, किसी समस्या को नियंत्रित करना सुरक्षा नहीं है; उसे जड़ से खत्म करना ही सही तरीका है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सीमा पर तैनात जवानों की सहायता के लिए जल्द ही एक उच्च-शक्ति जनसांख्यिकी मिशन शुरू किया जाएगा। शाह ने बीएसएफ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि 1965 में 25 बटालियनों के साथ शुरू हुआ यह बल अब 2,70,000 कर्मियों वाला दुनिया का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल बन गया है। समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री ने कर्तव्य के दौरान उत्कृष्ट योगदान और सर्वोच्च बलिदान के लिए बीएसएफ कर्मियों को सम्मानित भी किया। इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य देश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पूरी तरह से सील करना है। इसके तहत सीमा सुरक्षा बल को आधुनिक तकनीक जैसे ड्रोन रडार और उन्नत कैमरों से लैस किया जाएगा। यह पहल अगले एक वर्ष के भीतर पूरी की जाएगी।

पहाड़ी से गिरे पत्थर, एक की मौत, एक घायल

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर सोनप्रयाग में हनुमान बैरियर के समीप कई दुकानें हैं। यहां अचानक पहाड़ी से पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। घायल का उपचार चल रहा है। वहीं घटना के बाद प्रशासन ने सुरक्षा को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में संचालित दुकानों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं ढीली चट्टानों को बुलडोजर की मदद से हटाया जा रहा है। शुक्रवार सुबह आठ बजे हनुमान बैरियर के पास कई दुकानें हैं। साथ ही यहां चट्टान का हिस्सा ढीला होने के कारण खतरे की आशंका बनी रहती है। शुक्रवार को यहां अचानक पहाड़ी से पत्थर गिरने से दो लोग इसकी चपेट में आ गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, पुलिस, वाईएमएफ टीम और सेक्टर मजिस्ट्रेट मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान चलाकर घायलों को बाहर निकाला। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि हादसे में उम्मेद सिंह नेगी (48) निवासी ग्राम बड़ेथ, बसुकेदार की मौके पर ही मौत हो गई जबकि नेपाली मूल के बम बहादुर (42) घायल हो गए। घायल को पहले एमआरपी सोनप्रयाग लाया गया और प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग रेफर किया गया।

अगर पहले ही दुकानें हटा देते तो नहीं होता हादसा:

हनुमान बैरियर के पास प्रशासन ने यहां लगी दुकानें हटा दी है। यदि यही कार्रवाई पहले की जाती तो शायद व्यक्ति की जान बच सकती थी। जिस स्थान पर चट्टान से पत्थर गिरे वह हिस्सा पहले से ही संवेदनशील था। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि संबंधित स्थान पर चट्टान पहले से ढीली थी और संबंधित लोगों को चेतावनी देते हुए वहां से हटने के लिए कहा गया था।

त्विषा शर्मा के शव का दोबारा होगा पोस्टमार्टम

त्विषा शर्मा का दिल्ली एम्स की टीम दोबारा करेगी पोस्टमार्टम, एमपी हाईकोर्ट का निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। जबलपुर हाईकोर्ट में शुक्रवार को दो याचिकाएं त्विषा के परिवार वालों की तरफ से लगाई गईं थी। इसमें से एक याचिका त्विषा का दोबारा पोस्टमार्टम करने से संबंधित थी। इस याचिका का निस्तारण करते हुए कोर्ट ने त्विषा के शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराने के निर्देश दिए हैं। पोस्टमार्टम भोपाल में दिल्ली एम्स की टीम करेगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि पोस्टमार्टम मृत देह के सम्मान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कोर्ट यह तय करेगा कि शव किसे सौंपा जाएगा। इससे पहले राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र में रहने वाली त्विषा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में परिजनों को भोपाल जिला एवं सत्र न्यायालय से झटका लगा था। परिवार वाले भोपाल एम्स में हुए पोस्टमार्टम की रिपोर्ट से सहमत नहीं थे। इसके बाद उन्होंने सत्र न्यायालय में दोबारा पोस्टमार्टम कराने की याचिका दायर की थी, जिसे सत्र न्यायालय ने खारिज कर दिया था। त्विषा शर्मा का 13 मई को भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में पोस्टमार्टम किया गया था। अब दिल्ली एम्स की टीम त्विषा शर्मा का पोस्टमार्टम करेगी।वहीं, त्विषा के परिवार वालों ने जबलपुर हाईकोर्ट में दूसरी याचिका त्विषा की सास गिरिबाला सिंह की जमानत को रद्द करने के लिए लगाई थी। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 25 मई को होगी। जबलपुर हाईकोर्ट में त्विषा के पति समर्थ सिंह की अग्रिम जमानत की याचिका नहीं लगाई गई। समर्थ सिंह के वकील मृगेंद्र सिंह ने कहा कि समर्थ सिंह भोपाल के सत्र न्यायालय में आत्मसमर्पण करेंगे। वहां उनकी जमानत के लिए याचिका लगाई जाएगी। ट्विशा के परिजन ने जमानत याचिका पर आपत्ति लगाई है। उसके पिता नवनिधि शर्मा ने आरोप लगाए हैं कि समर्थ जुलाई 2023 से अगस्त 2025 तक मध्य प्रदेश सरकार में लीगल एडवाइजर के तौर पर काम कर चुका है। वह फरारी के दौरान केस को प्रभावित कर रहा है। ट्विशा शर्मा के पिता नवनिधि शर्मा ने पुलिस कमिश्नर संजय सिंह को पत्र लिखकर कटारा हिल्स थाना प्रभारी सुनील दुबे को हटाने की मांग भी की है। नवनिधि शर्मा ने कहा- अमेरिका में भी डेडबॉडी को माइनस 80 डिग्री तापमान में रखने की व्यवस्था नहीं होती। इसके लिए माइनस 4 डिग्री तापमान ही पर्याप्त होता है। यह पूरा पैनिक पुलिस की ओर से क्रिएट किया जा रहा है, ताकि हम जल्द से जल्द बॉडी लेकर रवाना हो जाएं। हमारी ओर से यह साफ है कि हम मरते दम तक दूसरे पोस्टमॉर्टम की मांग को लेकर लड़ते रहेंगे।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा-बकरीद पर गाय की कुबार्नी जरूरी नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बकरीद से पहले पश्चिम बंगाल सरकार की पशु वध संबंधी गाइडलाइन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि बिना जरूरी फिटनेस सर्टिफिकेट के गाय, भैंस, बैल या बछड़े का वध नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस सुजय पॉल और जस्टिस पार्थ सारथी की बेंच ने कहा कि खुले सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी पशु का वध पूरी तरह बैन है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि ईद-उल-जुहा में गाय की कुबार्नी इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। पूर्व तृणमूल नेता व विधायक हुमायूं कबीर ने गाइडलाइन का विरोध करते हुए ईद पर हर हाल में कुबार्नी की धमकी दी है। इस पर भाजपा ने कहा कि किसी भी हाल में अवैध स्लॉटरहाउस नहीं चलने दिए जाएंगे। दरअसल 13 मई को बंगाल सरकार ने गोहत्या से जुड़े 1950 के कानून और 2018 के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए एक नोटिस जारी किया था। इसमें कहा गया था कि बिना 'फिटनेस सर्टिफिकेट' के किसी भी मवेशी-भैंस की हत्या पूरी तरह से बैन है। बंगाल सरकार ने कहा कि फिटनेस सर्टिफिकेट केवल किसी नगरपालिका के अध्यक्ष, किसी पंचायत समिति के प्रमुख और एक सरकारी पशु चिकित्सक के साथ मिलकर जारी किया जाएगा। यह सर्टिफिकेट तभी जारी होगा जब अथॉरिटी सहमत हो कि जानवर 14 साल से ज्यादा उम्र का है, वह प्रजनन के लायक नहीं और बूढ़ा है।

दिल्ली दंगे के आरोपी उमर को 3 दिन की जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली दंगा साजिश मामले में 7 साल से जेल में बंद आरोपी उमर खालिद को 3 दिन की अंतरिम जमानत दी। जमानत 1 जून सुबह 7 बजे से 3 जून शाम 5 बजे तक प्रभावी रहेगी। खालिद को इसके लिए 1 लाख रुपए का निजी मुचलका भरना होगा। हाईकोर्ट ने कहा- उमर को पहले भी पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए अंतरिम जमानत मिल चुकी है। उन्होंने अदालत की शर्तों का पालन किया था। वह इस मामले में मुख्य साजिशकताओं में से एक है, लेकिन उनकी मां की मेडिकल स्थिति को देखते हुए सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया गया। उमर ने कोर्ट में 22 मई से 5 जून तक 15 दिन की अंतरिम जमानत मांगी थी। याचिका में कहा था कि वह अपने स्व. मामा के चेहलुम में शामिल होना चाहता है। साथ ही अपनी 62 साल मां की 2 जून को होने वाली लंप एक्सिशन सर्जरी के दौरान उनकी देखभाल करना चाहता है।

होर्मुज में जहाजों से फीस वसूलने की तैयारी में ईरान

ओमान के साथ पेमेंट सिस्टम पर बातचीत जारी, अमेरिका बोला- यह मंजूर नहीं

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान और ओमान होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर फीस वसूली के सिस्टम को लेकर बातचीत कर रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की नई बनाई गई पर्सियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (PGSA) ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के मैनेजमेंट सुपरविजन एरिया की सीमा तय कर दी है। अथॉरिटी के मुताबिक, यहां से गुजरने के लिए परमिट जरूरी होगा। फरवरी में अमेरिकी और इजराइली हमलों के बाद ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल ट्रैफिक लगभग रोक दिया था। इससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग प्रभावित हुई और ऊर्जा कीमतों में तेजी आई। इसके बाद ईरानी अधिकारियों ने इस जलमार्ग से राजस्व जुटाने के विकल्पों पर चर्चा शुरू की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है और यहां किसी तरह का टोल नहीं होना चाहिए। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इसका विरोध किया। दुनिया के करीब 20% समुद्री तेल और प्राकृतिक गैस की सप्लाई होर्मुज स्ट्रेट से गुजरती है। ऐसे में यहां किसी भी तरह के शुल्क या प्रतिबंध का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और शिपिंग पर पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान सीधे टोल लगाने के बजाय सर्विस फीस मॉडल पर काम कर रहा है। इसमें जहाजों से ट्रांजिट फीस, पर्यावरण शुल्क और अन्य सेवाओं के नाम पर रकम ली जा सकती है। दो ईरानी अधिकारियों के मुताबिक ओमान अब इस प्रस्ताव में संभावित आर्थिक फायदे देखते हुए हिस्सेदारी पर चर्चा कर रहा है। ओमान खाड़ी देशों और अमेरिका के साथ इस योजना को आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) नौसेना ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटों में 35 जहाज, जिनमें तेल टैंकर और कंटेनर पोत शामिल हैं, होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे। IRGC ने कहा कि यह आवाजाही उसकी अनुमति और समन्वय से हुई। IRGC नौसेना ने बयान में कहा इनमें तेल टैंकरों के साथ कंटेनर जहाज भी शामिल थे। ईरानी बलों ने दावा किया कि जहाजों की आवाजाही IRGC नौसेना की अनुमति और समन्वय के तहत हुई। इस बयान को क्षेत्र में ईरान की बढ़ती समुद्री निगरानी और नियंत्रण क्षमता के प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। एक दिन पहले IRGC ने कहा था कि 24 घंटे के भीतर 31 जहाज स्ट्रेट से गुजरे थे। अब नए आंकड़ों के साथ यह संख्या बढ़कर 35 हो गई है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में प्रगति के संकेत मिलने से यूरोपीय शेयर बाजारों में तेजी देखी गई। निवेशकों ने पश्चिम एशिया तनाव कम होने की उम्मीद में खरीदारी बढ़ाई, जबकि जर्मनी के मजबूत आर्थिक आंकड़ों और बेहतर कॉरपोरेट नतीजों ने भी बाजार को सहारा दिया। पैन-यूरोपीय STOXX 600 इंडेक्स 0.5% बढ़कर 623.79 अंक पर पहुंच गया। बाजार इस सप्ताह भी बढ़त के साथ बंद होने की ओर बढ़ता दिखा। निवेशकों का भरोसा अमेरिका और ईरान के बीच जारी शांति वार्ता में प्रगति की खबरों से मजबूत हुआ। हालांकि दोनों पक्ष अब भी कई अहम मुद्दों पर सहमत नहीं हैं, लेकिन बातचीत जारी रहने को बाजार सकारात्मक संकेत मान रहा है।

भोजशाला में 700 साल बाद नमाज नहीं, सिर्फ पूजा

मुस्लिम समाज ने बांधी काली पट्टी, बंद रहीं दुकानें, धार में 2 हजार पुलिसकर्मी तैनात

धार (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के धार स्थित भोजशाला में करीब 700 साल बाद परिसर में नमाज नहीं, सिर्फ पूजा हुई।भोज उत्सव समिति ने शुक्रवार को वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित कर दर्शन-पूजन कराया। मंदिर में सुबह से बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी थी। वाग्देवी मंदिर में कारसेवकों के परिजनों का सम्मान भी किया गया। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने 15 मई को भोजशाला को मंदिर घोषित किया था। मुस्लिम समाज ने फैसले के विरोध में काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की। अपनी दुकानें भी बंद रखीं। वहीं सुरक्षा के लिए करीब 2 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इधर, हाईकोर्ट के फैसले से निराश मुस्लिम पक्ष गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। आदेश को एकतरफा बताते हुए काजी मोइनुद्दीन ने गुरुवार रात करीब 8:30 बजे विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल की है। सदर अब्दुल समद ने कहा कि मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में सभी आवश्यक दस्तावेज और साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। अब्दुल समद ने कहा- कमाल मौला मस्जिद में 700 साल से जुमे की नमाज अदा होती रही है। इस परंपरा को प्रभावित किए जाने से समाज में दुख है, लेकिन लड़ाई पूरी तरह संवैधानिक और कानूनी दायरे में ही लड़ी जाएगी। शहर काजी वकार सादिक ने कहा- जब सुप्रीम कोर्ट से राहत और स्टे मिलेगा, तब मुस्लिम समाज सम्मान के साथ पहले की तरह नमाज अदा करेगा। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि सभी समुदाय शांति और सौहार्द बनाए रखें। शहर हमारा अपना है, इसलिए अमन और भाईचारे को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। दोपहर एक बजे पूजन-हवन के लिए भोजशाला परिसर के बाहर ज्योति मंदिर पर हिंदू संगठन के सदस्य इकट्ठा होने लगे। अधिकारियों ने इन्हें हटाने की कोशिश की तो हल्की बहस हो हुई। प्रशासन ने श्रद्धालुओं को ज्योति मंदिर से करीब 50 कदम दूर जाने के लिए कहा। इसके बाद लोग निर्धारित जगह पर इकट्ठा हुए। भोजशाला आंदोलन में जान गंवाने वाले कार सेवकों के परिजन का सम्मान किया गया। अमृता सावन ने कहा- मैं पहली बार शुक्रवार को यहां आई हूं।

मुख्यमंत्री ने 483 अभ्यर्थियों को प्रदान किये नियुक्ति पत्र

जयन्त प्रतिनिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में सिंचाई विभाग एवं कृषि विभाग के अन्तर्गत विभिन्न पदों पर चयनित कुल 483 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। जिसमें 473 पद सिंचाई एवं 10 पद कृषि विभाग के शामिल हैं।

साढ़े चार साल में 33 हजार अभ्यर्थियों को मिली सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व मुख्यमंत्री और मेजर जनरल (से.नि) भुवन चंद्र खंडूड़ी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि खंडूड़ी जी ने ऐसे उत्तराखंड का सपना देखा था, जहां युवाओं की पहचान उनकी मेहनत और प्रतिभा से हो। कहा कि आज युवाओं को मिलने जा रहे नियुक्तिपत्र इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार उनके सवप्नों को पूरा कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा यह नियुक्ति पत्र वितरण प्रतिभाशाली युवाओं की मेहनत, लगन और संकल्प का सम्मान है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि निश्चित ही युवा पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सेवा भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए राज्य एवं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कहा कि युवकों की सफलता के पीछे माता-पिता का त्याग, परिवार का संघर्ष और वर्षों की मेहनत छिपी हुई है। कहा कि जब भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी होती है, तभी व्यवस्था में योग्य और ईमानदार लोग आते हैं। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सविता कपूर, उमेश शर्मा काऊ महंत दलीप सिंह रावत, प्रमुख सचिव मीनाक्षी सुंदरम, सचिव सुरेंद्र नारायण पांडे, युगल किशोर पंत मौजूद रहे।

सिंचाई विभाग अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार

सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने सभी चयनित युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पल उत्तराखण्ड के विकास की यात्रा में युवाओं की सक्रिय सहभागिता का शुभारंभ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में पारदर्शी, निष्पक्ष एवं योग्यता आधारित भर्ती प्रक्रिया को निरंतर मजबूती मिली है।

आज उत्तराखंड का युवा यह महसूस करने लगा है कि उसकी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण का उसे लाभ अवश्य मिलेगा। सिंचाई मंत्री ने कहा कि सिंचाई विभाग केवल नहरों और परियोजनाओं का विभाग नहीं, बल्कि किसानों की समृद्धि, जल संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार भी है।

बीमार पिता को स्ट्रेचर पर छोड़ बेटा हुआ गायब

देहरादून। राजकीय दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में शुक्रवार को रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। यहां एक बेटा अपने बीमार बुजुर्ग पिता को अस्पताल के स्ट्रेचर पर ही लावारिस छोड़कर चला गया। गढ़ी कैंट निवासी सुरेश को उनका बेटा शुक्रवार सुबह इलाज के लिए दून अस्पताल लेकर पहुंचा था। डॉक्टरों ने एक्स–रे और अन्य जरूरी जांच के बाद उनकी हालत को देखते हुए अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी। पिता को भर्ती करने की बात सुनते ही बेटा उन्हें वहीं स्ट्रेचर पर छोड़कर चुपचाप वहां से खिसक गया।बेबस पिता करीब तीन घंटे तक उसी स्ट्रेचर पर लेटे बेटे की राह ताकते रहे। काफी देर बाद अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों की नजर उन पर पड़ी। उन्होंने पूछताछ कर परिजनों को फोन मिलाया, तब जाकर बेटे की इस करतूत का पता चला। सुरेश ने बताया कि उनकी पत्नी उर्मिला एक स्कूल में सुरक्षाकर्मी हैं। बाद में स्कूल की छुट्टी होने पर पत्नी अस्पताल पहुंचीं और अपने पति को वापस घर ले गईं।

डोबरा–जाख–कोटी रिंग पर धूल–मिट्टी उड़ने से लोग परेशान

नई टिहरी। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर डोबरा–जाख–कोटी रिंग रोड से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि टिहरी झील किनारे जाख–डोबरा रिंग रोड के निर्माण में लगी कंपनी के भारी वाहन और जेसीबी मशीनों के संचालन से लगातार धूल–मिट्टी उड़ रही है, जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। निर्माणाधीन सड़क पर पानी का छिड़काव न होने से स्थिति और अधिक खराब हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि धूल के कारण कपड़े और वाहन खराब हो रहे हैं तथा दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी से टैंकरों द्वारा पानी छिड़काव की मांग की गई, लेकिन इसे नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं किया गया तो निर्माण कार्य बंद कराया जाएगा। इस पर जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि एसडीएम के नेतृत्व में एक समिति गठित की जाएगी, जो नियमित रूप से निरीक्षण करेगी। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रैतेला, विजय गुनसोला, विजयपाल रावत, दर्शनी रावत, सुमेरी बिष्ट, किशोर सिंह मंद्रवाल, ध्यान सिंह रावत, बलवीर, मोहन सिंह रावत, विजयपाल कुमाईं और सूरज रमोला सहित कई लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नई टिहरी में कॉमर्शियल कोर्ट खोलने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजेंगे

नई टिहरी। जिला बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी की पहली बैठक बार के अध्यक्ष जयवीर सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। शुक्रवार को आयोजित बैठक में अधिवक्ताओं और वादकारियों (लिटिगेशन) के हितों पर चर्चा की गई। इस दौरान सात नए अधिवक्ताओं को भी बार एसोसिएशन की सदस्यता दिलाई गई। जिला बार एसोसिएशन की बैठक में कॉमर्शियल कोर्ट नई टिहरी में खोलने के लिए शासन को शीघ्र प्रस्ताव भेजने पर चर्चा की गई। इसके अलावा नए अधिवक्ताओं के लिए आवास की व्यवस्था करने, दिव्यांग वादकारियों के लिए कोर्ट में रैंप बनाने और वाटर फिल्टर की मरम्मत आदि प्रस्ताव पारित किए गए। इस दौरान नए अधिवक्ता मदन मोहन पेटवाल, मयंक रावत, शुभम सजवाण, तनुज प्रकाश चंद, शालिनी उनियाल,विदुषी राणा और स्वीटी पंवार को टिहरी बार एसोसिएशन की सदस्यता दी गयी। एसोसिएशन के महासचिव चंद्रभान सिंह राणा ने बैठक का संचालन किया। बैठक में एसोसिएशन के उपाध्यक्ष दिनेश उनियाल, सह सचिव कविता भट्ट, कोषाध्यक्ष पावना, अधिवक्ता प्रेम सिंह बंनगाईं, हरपाल सिंह रैतेला, राजेंद्र सिंह डोटियाल, प्रेम सिंह बिष्ट, बीना राणा, मृदुला जैन, महालक्ष्मी डंगवाल, महेंद्र सिंह बिष्ट, राजेंद्र सिंह सजवाण, विनय सेमवाल, महावीर उनियाल, अरबिंद खरोला, राजेंद्र असवाल, केशर सिंह राणा, आनंद सिंह बेलवाल, शांति भट्ट, ज्योति भट्ट, जगजीत सिंह नेगी, सरोप सिंह जड़धारी, राजपाल सिंह मियां, चंद्र सिंह गुसाईं, सोहन सिंह रावत, स्वराज्य सिंह पंवार, बेणी माधव शाह और अजय रावत आदि शामिल थे।

सिरपा गांव में दूषित पानी पीने से 40 से अधिक लोग बीमार

चमोली। विकासखंड के सिरपा गांव में दूषित पानी पीने के कारण 40 से अधिक ग्रामीण बुखार से पीड़ित हैं। हालांकि यहां लगातार तीन दिन से स्वास्थ्य विभाग की टीम ग्रामीणों की जांच कर रही है लेकिन सुधार ज्यादा नहीं हो रहा है। ऐसे में अब पेयजल निगम के अफसर पानी की सैंपलिंग करने की बात कह रहे हैं। सिरपा गांव में करीब 40 से अधिक परिवार रहते हैं। क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य विक्रम कठैत ने बताया कि कुछ दिन से यहां ग्रामीण बुखार की चपेट में है। इनमें दो लोग श्रीनगर में उपचार करवा रहे हैं जबकि अन्य को स्वास्थ्य विभाग एवं ग्राफिक एरा अस्पताल की टीम ने गांव में ही उपचार किया। बताया कि गांव में आपूर्ति करने वाली पेयजल लाइन से गंदा पानी आ रहा है। इसे पीने से 40 से अधिक ग्रामीण बीमार हैं। मामले में प्रशासन और पेयजल निगम से कार्रवाई की मांग की गई। वहीं पेयजल निगम के अधिशासी अभियंता अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि सिरपा की पेयजल योजना ग्राम पंचायत को हैंडओवर है। बावजूद ग्रामीणों की शिकायत पर कर्मचारियों को गांव में भेजकर जल्द सैंपलिंग की जाएगी।

सुरक्षा दीवार के लिए एक करोड़ रुपये स्वीकृत

चमोली। बगड़ में आटागाड़ नदी के किनारे सुरक्षा दीवार निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। यहां सुरक्षा कार्य होने से बरसात में होने वाले नदी के कटाव पर रोक लगेगी। हाल ही में आदिबदरी में आयोजित जन जन की सरकार जन जन के द्वार शिविर में जनता ने यह मांग उठाई थी। आटागाड़ नदी का लगभग दो सौ मीटर क्षेत्र कटाव की जद में है। इससे गोविंद निवास के तीन परिवारों, आदिबदरी कानूनगो चौकी, डेढ़ दर्जन से अधिक गांवों को जाने वाले रास्ते और पुल को खतरा था। स्थानीय भुवन बरमोला ने बताया कि नदी में लगातार खनन से कटाव बढ़ रहा था। शिविर में जिलाधिकारी और विधायक अनिल नौटियाल ने अधिकारियों को मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए थे। विधायक अनिल नौटियाल ने कहा कि यह स्वीकृति रिहायशी मकानों को सुरक्षा प्रदान करेगी।

एसडीआरएफ सेनानायक ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रुद्रप्रयाग। एसडीआरएफ सेनानायक अर्पण यदुवंशी शुक्रवार को केदारनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने पैदल यात्रा मार्ग और संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने व्यवस्थाओं, भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। वहीं यात्रा ड्यूटी पर तैनात विभिन्न विभागों और एजेंसियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से वार्ता कर मौके पर आ रही चुनौतियों की जानकारी ली और निर्देश दिए। उन्होंने एसडीआरएफ पोस्ट का निरीक्षण कर कार्मिकों से संवाद किया। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले एसडीआरएफ कार्मिकों को प्रशस्तिपत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

टॉपर छात्र–छात्राओं से मिले डीएम, कॅरिअर के दिए टिप्स

रुद्रप्रयाग। जनपद के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं के साथ शुक्रवार को जिला सभागार में छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने विद्यार्थियों को कॅरिअर, जीवन व मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सुझाव दिए। उन्होंने छात्र–छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि जीवन में स्पष्ट लक्ष्य तय कर निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ना चाहिए। वर्तमान समय में प्रतिस्पर्धा बढ़ने से विद्यार्थियों पर मानसिक दबाव भी बढ़ रहा है। इसलिए योग, व्यायाम, संतुलित दिनचर्या और सकारात्मक सोच को अपनाना जरूरी है।

रातभर जलते रहे जंगल, आग बुझाने नहीं पहुंचे वन कर्मी

रुद्रप्रयाग। इन दिनों बढ़ती गर्मी के साथ क्षेत्र के जंगलों में भी आग फैली हुई है। ब्लॉक के रूमसी, भौंसाल, बावई, तोलब और कुमोली के जंगलों में बृहस्पतिवार देर रात आग लग गई और शुक्रवार को भी जंगल धू–धू कर जलते रहे। मगर आग बुझाने के लिए कोई वन कर्मी नहीं पहुंचा। ऐसे में वन संपदा को अधिक नुकसान पहुंचा है। स्थानीय ऋतिक पुरोहित ने बताया पूरी रात जंगल धधकते रहे और आग लगातार फैलती रही। गौरव बमोला ने कहा कि आग बुझाने के लिए कोई नहीं आया। वन विभाग के मॉक ड्रिल सिर्फ कागजों में ही सीमित हैं। उन्होंने कहा कि जंगलों में लगातार लग रही आग का असर अब गांवों और कस्बों तक दिखाई देने लगा है। जंगल में आग से आवास नष्ट होने के कारण जंगली जानवर आबादी की ओर रुख कर रहे हैं। इससे मानव–वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। वहीं डीएफओ रुद्रप्रयाग रजत सुमन ने बताया कि वन विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया है। जल्द आग बुझा दी जाएगी।

फौजियों और पहाड़ के सीधे लोगों से ठगी करने वाला इनामी भूमाफिया गिरफ्तार

देहरादून। उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों के निवासियों और फौजियों को दून में जमीन दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले शातिर भूमाफिया और उसके सहयोगी को दून पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी प्रदीप सकलानी पर बीस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। यह वर्ष 2013 से जमीन की डील कर लोगों को ठगता आ रहा है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने शुक्रवार दोपहर प्रेसवार्ता कर घटना की जानकारी दी। बताया कि 15 अक्तूबर 2025 को विक्रम सिंह निवासी सहस्रधारा रोड ने रायपुर थाने में केस दर्ज कराया। बताया कि प्रदीप सकलानी, अभय कुमार और अजय सजवाण ने सोडा सरोली स्थित एक भूमि के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे अपने परिचित की बताकर तीस लाख रुपये का सौदा कर लिया। आरोपियों ने फर्जी एग्रीमेंट बनाकर बयाने की रकम हड़प ली। जब पीड़ित को जमीन के असली मालिकों के बारे में पता चला और उसने अपनी रकम वापस मांगी, तो आरोपियों द्वारा दिए गए चेक भी बाउंस हो गए।

बर्फ की फुहारों के बीच खुले लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट

चमोली। हल्की बर्फबारी के बीच शुक्रवार को लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट विधि–विधान से मंत्रोच्चारण के साथ पूर्वाह्न 11:15 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इस दौरान मंदिर में विशेष पूजाएं हुईं। दोपहर दो बजे भगवान लक्ष्मण को भोग लगाया गया। अब श्रद्धालु चार माह तक लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के दर्शन कर सकेंगे। 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट खुलने के बाद पुजारी आचार्य मनीष पांडे ने भगवान लक्ष्मण की प्रतिमा का अभिषेक किया और पूजा–अर्चना संपन्न की। इसके बाद भोग लगाया गया। उन्होंने बताया कि कपाट खुलने के मौके पर विश्व शांति की कामना की गई। लोकपाल लक्ष्मण मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि यह हिंदुओं का पवित्र मंदिर है जो सबसे ऊंचाई पर स्थित है। इस मौके पर धनंजय चौहान, गौरव चौहान, रुपेष, मयंक, ऋषि चंडोक आदि मौजूद रहे।

प्रत्येक कार्मिक को अनिवार्य रूप से बनानी होगी हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री

देहरादून।प्रदेश में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की मॉडल फैसिलिटी राजकीय दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल सभागार में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने एबीडीएम के विभिन्न पहलुओं की जानकारियां दी। साथ ही प्रतिभागियों ने भी मिशन के साथ अब तक की जर्नी के अनुभव साझा किए और क्रियान्वयन की सुगमता को लेकर सुझाव भी दिए। कार्यशाला में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की प्रबंधक प्रज्ञा पालीवाल ने कहा कि राज्य मिशन निदेशक रीना जोशी आईएएस के निर्देशों के अनुक्रम में एबीडीएम के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर कुमाउं से लेकर गढ़वाल मंडल के अंतर्गत कार्यशाला व जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दून मेडिकल कॉलेज एबीडीएम की मॉडल फैसिलिटी है। आभा आईडी से लेकर हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री, हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री, स्कैन एंड शेयर का उपयोग एबीडीएम का आधार है। चिकित्सा क्षेत्र के प्रत्येक कार्मिकों को एबीडीएम से जुड़कर इस मिशन को सफल बनाना है। उन्होंने कहा कि एबीडीएम के संचालन में कहीं भी कोई दिक्कत होती है। मिशन की ओर से तकनीकी सपोर्ट किया जाता है। मिशन के शत प्रतिशत हासिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।दून अस्पताल के विभागाध्यक्ष डा सुशील ओझा ने चिकित्सा क्षेत्र के डिजिटलाइजेशन में एबीडीएम उत्तराखंड के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से मिशन की सफलता में सहभागिता करने की अपील की। वर्कशॉप में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। क्रियान्वयन में आने वाली व्यवहारिक व तकनीकी दिक्कतों पर भी यहां वक्ताओं ने रोशनी डाली।

युवाओं में राष्ट्र चेतना विकसित होनी जरूरी

देहरादून। राष्ट्रीय स्वयं सुरक्षा संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी की बैठक शुक्रवार को कैनाल रोड के एक शिक्षण संस्थान में हुई। जिसमें सामाजिक समानता, युवाओं में राष्ट्र सेवा की चेतना की अवधारणा पर वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को अधिक जिम्मेदार और जवाबदेह बनाने के लिए राष्ट्र चेतना का विकास जरुरी है। बैठक में राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य का संतुलित विकास, भ्रष्टाचार मुक्त समाज और पारदर्शी तथा जवाबदेही कार्यशैली जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई।

चवालखेत–भोनाबागी सड़क का होगा डामरीकरण कार्य

नई टिहरी। जिला मुख्यालय से सटे चवालखेत–भोनाबागी मोटर मार्ग के करीब तीन किलोमीटर हिस्से के डामरीकरण के लिए 1 करोड़ 90 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। लंबे समय से ग्रामीण सड़क सुधार की मांग कर रहे थे। भोनाबागी से बुडोगी गांव के चवालखेत (डांडा) तक वर्ष 2019 में सड़क का निर्माण हुआ था, लेकिन सड़क कच्ची और खराब होने से लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही थी। ग्राम प्रधान भूपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि सड़क पर जगह–जगह गड्ढे हैं और बरसात में कीचड़ जमा होने से दोपहिया वाहन फिसलने का खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि गांव के बच्चे रोज पढ़ाई के लिए जिला मुख्यालय जाते हैं, लेकिन खराब सड़क के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सड़क डामरीकरण होने से ग्रामीणों को बेहतर सुविधा मिलेगी और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। चवालखेत क्षेत्र से चंबा, सुरकंडा, चंद्रवदनी और हिमालय की चोटियों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है।

स्वास्थ्य मंत्री सुबोध ने सीएचसी रायपुर में व्यवस्थाओं को जांचा

देहरादून। स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रायपुर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में सभी चिकित्सक उपस्थित मिले। स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी जानकारी जुटाई। शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने सबसे पहले पर्चा काउंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की ओपीडी, दवा वितरण केंद्र, वार्ड, इमरजेंसी वार्ड तथा साफ–सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।मंत्री ने अस्पताल पहुंचे मरीजों से भी बातचीत की और उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने ईसीजी ओपीडी का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि चिकित्सकों को अपने कर्तव्यों का पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पतालों में ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए कि मरीजों को दवाइयां बाहर से खरीदने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को उच्च स्तर पर बनाए रखने पर भी जोर दिया। मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर उपचार, दवाइयां तथा आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं,

रोडवेज कर्मचारियों ने दी आंदोलन की चेतावनी

देहरादून। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ने विभिन्न लंबित समस्याओं और कर्मचारी हित से जुड़े विषयों को लेकर प्रबंध निदेशक 22 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। परिषद ने 15 दिन में मांगों का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। परिषद के महामंत्री दिनेश पंत ने बताया कि संगठन सदैव शांतिपूर्ण वार्ता और समाधान का पक्षधर रहा है, इसलिए वर्तमान में चारधाम यात्रा और पीक सीजन को देखते हुए आंदोलन के स्थान पर बातचीत से रास्ता निकालना चाहता है।यदि तय समय सीमा के भीतर सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो कर्मचारी निगम मुख्यालय, देहरादून पर शांतिपूर्ण घेराव और अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने के लिए बाध्य होंगे। परिषद ने अपने मांग पत्र में कैबिनेट निर्णय और मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप प्रथम चरण में 50 इलेक्ट्रिक बसों तथा 250 नई बसों की शीघ्र खरीद सुनिश्चित करने और पर्वतीय मार्गों के लिए खरीदी गई नई बसों को मैदानी मार्गों के स्थान पर वास्तविक पर्वतीय रूटों पर ही संचालित करने की मांग की है। इसके साथ ही शासन से प्राप्त प्रतिपूर्ति धनराशि का प्राथमिक उपयोग कर्मचारियों के लंबित वेतन, सेवानिवृत्त कार्मिकों के देयकों के भुगतान और जीवन बीमा व सहकारी समितियों की रुकी हुई धनराशि को जमा कराने समेत अन्य मांगों के निराकरण की मांग की है।

मालसी–किशनपुर क्षेत्र में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा मिले

देहरादून। मालसी, किशनपुर और जाखन रोड पर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था न होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने रोष जताया। उन्होंने संभागीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) से मिलकर परिवहन सेवाएं शुरू करने की मांग की है। लोगों ने आरटीओ को बताया कि पुरुकुल गांव, सलांन गांव, ब्राह्मण गांव, भगवन्तपुर और गुनियाल गांव से मालसी, किशनपुर व जाखन जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन की कोई व्यवस्था नहीं है। परिवहन साधन न होने से ग्रामीणों को रोजमर्रा के काम के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस मौके पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रितेश जोशी, सुनीता, राजीव कपूर ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मार्ग पर परिवहन सेवाएं शुरू नहीं की गई तो क्षेत्र के लोगों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

भारी डिस्काउंट पर ऑनलाइन नकली दवाएं बेचने वाले अंतरराष्ट्रीय रैकेट पकड़ा

देहरादून। उत्तराखंड एसटीएफ ने ऑपरेशन फेक पिल के तहत ऑनलाइन नकली दवाएं बेचने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह नामी फार्मा कंपनियों नाम पर नकली जीवन रक्षक दवाइयां 50–60 फीसदी डिस्काउंट पर बेच रहा था। मामले में पुलिस ने मास्टरमाइंड समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने शुक्रवार को बताया कि पिछले दो महीनों से इस गिरोह के खिलाफ इनपुट जुटाए जा रहे थे। यह सिंडिकेट एसके हेल्थ केयर नाम से फेसबुक पेज के माध्यम से संचालित हो रहा था। आरोपी सनफार्मा, मैनकाइंड, जायडस और मैकलियोड्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों की 25 से अधिक ब्रांडेड दवाओं नकली तैयार कर ऑनलाइन रहे थे। इन्हें बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़ और उत्तराखंड में बिना लाइसेंस के सप्लाई किया जा रहा था। ठोस सबूत जुटाने के लिए एसटीएफ ने खुद एक ग्राहक बनकर फेसबुक पेज के जरिए ऑर्डर दिया। कोरियर से गया और वाराणसी से जो दवाएं देहरादून पहुंचीं उन्हें असल कंपनियों की लैब में जांच के लिए भेजा गया। रिपोर्ट में दवाएं पूरी तरह से नकली और मानकों पर फेल पाई गईं।

प्रौद्योगिकियों हेतु दो प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए

देहरादून। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने प्रोफेसर अंजन सिल द्वारा विकसित अभिनव लिथियम–आयन बैटरी इलेक्ट्रोड प्रौद्योगिकियों हेतु दो प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो भारत के उन्नत ऊर्जा भंडारण पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दोनों प्रौद्योगिकियों का आगे के विकास एवं व्यावसायीकरण हेतु कैथियन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरण किया गया है।

हस्तांतरित की गई दोनों प्रौद्योगिकियों के शीर्षक निम्नलिखित हैं:

1. रिचार्जेबल लिथियम–आयन बैटरी में उच्च शक्ति एवं उच्च ऊर्जा अनुप्रयोग हेतु एक नवीन इलेक्ट्रोड कॉम्पोजिट
2. लिथियम–आयन बैटरी हेतु एक उच्च–प्रदर्शन कॉम्पोजिट इलेक्ट्रोड

ये प्रौद्योगिकियां रिचार्जेबल लिथियम–आयन बैटरियों के विद्युत–रासायनिक प्रदर्शन, ऊर्जा घनत्व, चार्जिंग क्षमता तथा समग्र दक्षता को बढ़ाने पर केंद्रित हैं। इन नवाचारों से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक्स तथा नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में कुशल एवं सतत ऊर्जा भंडारण समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायता मिलने की अपेक्षा है। इस अवसर पर दोनों प्रौद्योगिकियों के आविष्कारक प्रोफेसर अंजन सिल ने कहा, "इन प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण प्रयोगशाला–स्तरीय अनुसंधान को प्रभावशाली औद्योगिक अनुप्रयोगों में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा उद्देश्य उन्नत इलेक्ट्रोड सामग्रियों का विकास करना रहा है, जो उच्च–प्रदर्शन एवं विश्वसनीय ऊर्जा भंडारण प्रणालियों की बढ़ती मांग को पूरा कर सकें।

कुम्हार मंडी में मंदिर सौंदर्यीकरण कार्य को गुणवत्ता से करने के निर्देश

देहरादून। कैंट विधायक सविता कपूर ने वार्ड 33 कुम्हार मंडी में चल रहे शिव पार्वती मंदिर सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को सौंदर्यकरण कार्य को कार्य समयबद्ध एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक ने कहा कि धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहचान को मजबूत करता है। मंदिर परिसर को अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं सुविधायुक्त बनाए जाने के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण प्राप्त हो सके। इस अवसर स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

एक नजर

गिवईस्रोत व लोअर कालाबड़ क्षेत्र में पेयजल संकट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भीषण गर्मी के बीच गिवईस्त्रोत और लोअर कालाबड़ क्षेत्र में पेयजल संकट गहराने से स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। पिछले कई दिनों से पानी की आपूर्ति बाधित होने के कारण वार्डवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार गिवईस्त्रोत डग के समीप स्थापित नलकूप पिछले दो दिनों से खराब पड़ा हुआ है, जिसके चलते क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति ठप हो गई है। स्थिति यह है कि लोग चिलचिलाती धूप में खाली बर्तन लेकर पानी की तलाश में इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों और अकेले रहने वाले लोगों को हो रही है। स्थानीय निवासी राजन बिष्ट और राजकुमार ने बताया कि गर्मी के मौसम में हर वर्ष नलकूप खराब हो जाता है। उन्होंने बताया कि नलकूप में लगी पुरानी मोटर के कारण यह समस्या बार-बार उत्पन्न हो रही है, लेकिन कई बार शिकायत के बावजूद इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों को कई बार अवगत कराने के बाद भी न तो मोटर बदली गई और न ही कोई स्थायी व्यवस्था की गई है। हालांकि जल संस्थान की ओर से क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से पानी आपूर्ति की जा रही है, लेकिन वह भी पर्याप्त नहीं है। स्थानीय निवासियों ने जल्द से जल्द नलकूप की मरम्मत एवं स्थायी समाधान की मांग की है, ताकि आने वाले दिनों में बढ़ती गर्मी में लोगों को राहत मिल सके।

बाघों की हत्या मामले के बाद लैंसडौन वन प्रभाग सतर्क, सघन गश्त अभियान शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हरिद्वार वन प्रभाग में दो बाघों को जहर देकर मारने के मामले के सामने आने के बाद लैंसडौन वन प्रभाग भी सतर्क हो गया है। संभावित वन्यजीव अपराधों पर रोक लगाने के लिए प्रभाग में सघन चेकिंग एवं रात्रि गश्त अभियान तेज कर दिया गया है।

प्रभागीय वनाधिकारी जीवन मोहन दगाड़े के निर्देशन में वन विभाग की टीम ने बिजनौर वन क्षेत्र की सीमा से सटी कोटड़ी रेंज में रात्रि गश्त की। इस दौरान प्रभागीय वनाधिकारी स्वयं पूरे स्टाफ के साथ मौके पर मौजूद रहे और कोल्हू एवं बगनाला अनुभाग का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कर्मचारियों को एंटी-पोचिंग से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अंतर-प्रभागीय समन्वय के तहत लैंसडौन वन प्रभाग और कालागढ़ टाइगर रिजर्व के वनकर्मियों ने संयुक्त रूप से पाखरो और मोरघट्टी रेंज तक रात्रि गश्त की। इस दौरान दोनों वन प्रभागों के वन क्षेत्राधिकारी एवं अन्य स्टाफ भी मौजूद रहे। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए गश्त और निगरानी को और अधिक सख्त किया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को रोका जा सके।

छात्रावास के पास जंगल में लगी आग, कड़ी मशक्कत के बाद बुझाया

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शुक्रवार को पौड़ी-कोटद्वार रोड पर आंबेडकर छात्रावास के समीप उस समय अफरा-तफरी मच गई जब अचानक जंगल और झाड़ियों में भीषण आग भड़क उठी। तेज हवा के चलते आग तेजी से फैलने लगी। फायर ब्रिगेड और वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आगू पर काबू पाया। शुक्रवार को पौड़ी-कोटद्वार रोड पर आंबेडकर छात्रावास के समीप अचानक जंगल और झाड़ियों में आग लग गई। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलने लगी। आग की लपटें सड़क किनारे तक पहुंचने लगी थीं और खतरा छात्रावास व आसपास के रिहायशी इलाके तक मंडराने लगा था। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दोनों विभागों के कर्मचारियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों के अनुसार यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो बड़ा नुकसान हो सकता था। आग की वजह से आसपास का वन क्षेत्र भी प्रभावित हुआ है। हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना के दौरान सड़क पर गुजर रहे वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। धुएं के गुबार से कुछ देर तक आवाजाही प्रभावित रही। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी मेहताब अली ने बताया कि पौड़ी-कोटद्वार मार्ग पर आंबेडकर छात्रावास के पास जंगल में लगी आग पर वन विभाग के साथ मिलकर काबू पाया गया।

धधक रहे जंगल, वन संपदा को नुकसान

लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र के जंगलों में लगी है आग

वन क्षेत्र में लगी आग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लैंसडौन वन प्रभाग के अंतर्गत जंगलों में लगी आग लगातार विकराल रूप लेती जा रही है। तेज गर्मी और सूखे मौसम के कारण आग तेजी से फैल रही है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल बना हुआ है। आग अब धीरे-धीरे परिंदा और जयहरी गांव के जंगलों तक पहुंचने लगी है। इससे चीड़ और मिश्रित वन संपदा को नुकसान हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में तापमान लगातार बढ़ रहा है और बारिश नहीं होने से जंगल पूरी तरह सूख चुके हैं। ऐसे में छोटी सी चिंगारी भी बड़ी आग का रूप ले रही है। जंगलों से उठता धुआं दूर-दराज के इलाकों तक दिखाई दे रहा है, जिससे लोगों को सांस लेने में भी परेशानी महसूस हो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वनाग्नि की घटनाओं से वन्यजीवों का जीवन भी खतरे में पड़ गया है। कई जंगली जानवर सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आ रहे हैं। आग का असर पर्यावरण पर भी पड़ रहा है और क्षेत्र में गर्मी का प्रकोप और बढ़ गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि हर साल गर्मियों में जंगल आग की चपेट में आ जाते हैं, लेकिन रोकथाम के लिए स्थायी व्यवस्था अब तक नहीं हो पाई है। लोगों ने लगातार निगरानी बढ़ाने और आग बुझाने के संसाधनों को मजबूत करने की मांग की है।

स्व. जगमोहन सिंह आर्य की पुण्यतिथि पर शिक्षक प्रमोद चौधरी सम्मानित

कोटद्वार में आयोजित सभा में शिक्षक प्रमोद चौधरी को सम्मानित करते अतिथि।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व सैनिक एवं समाजसेवी स्वर्गीय जगमोहन सिंह आर्य की 20वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उनके सामाजिक एवं मानवीय योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षक प्रमोद चौधरी को ह्लजगमोहन सिंह आर्य जनसेवा सम्मान-2026ह्व प्रदान कर सम्मानित किया गया।

घमंडपुर स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख गीता नेगी तथा सेवानिवृत्त रेंजर केशीराम निराला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्व. आर्य के संघर्षपूर्ण जीवन और समाजहित में किए गए कार्यों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि स्व. जगमोहन सिंह आर्य ने देश सेवा के बाद अपना जीवन समाज सेवा को समर्पित कर दिया था। वे हमेशा गरीब, जरूरतमंद और वंचित लोगों की आवाज बनकर खड़े रहे। उन्होंने कहा कि समाज के लिए किए गए उनके कार्य हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य मनवर लाल भारती और ओमप्रकाश कोटला ने कहा कि सीआरपीएफ से सेवानिवृत्ति के बाद स्व. आर्य ने गरीब, शोषित और वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष किया। उन्होंने सामाजिक न्याय और शिक्षा के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाई। आर्य गिरधारी लाल महर्षि दयानंद ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र लाल आर्य ने बताया कि स्व. आर्य ने कई सामाजिक संगठनों के माध्यम से सामाजिक न्याय की मुहिम को मजबूती प्रदान की। वहीं उनके पुत्र विकास कुमार आर्य ने कहा कि उनके पिता हमेशा अन्याय और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाते रहे तथा शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम मानते थे। सम्मान प्राप्त करने के बाद शिक्षक प्रमोद चौधरी ने कहा कि स्व. जगमोहन सिंह आर्य की स्मृति में जल्द ही एक ट्रस्ट बनाया जाएगा, जो आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी बच्चों की शिक्षा में सहयोग करेगा।

संदिग्ध मांस के साथ व्यक्ति पकड़ा, विहिप ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तर प्रदेश के नजीबाबाद से कोटद्वार की ओर संदिग्ध मांस लेकर आ रहे एक व्यक्ति को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं ने पकड़ लिया। इसके बाद कार्यकर्ता आरोपी, वाहन एवं मांस को बाजार पुलिस चौकी लेकर पहुंचे और कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार सुबह की है। विहिप कार्यकर्ताओं को सूचना मिली थी कि नदीम अहमद नामक व्यक्ति अपने वाहन में संदिग्ध मांस लेकर कोटद्वार की ओर आ रहा है। सूचना पर कार्यकर्ता कौड़िया के पास पहुंचे और वाहन को रोककर तलाशी ली। इस दौरान एक थैले में मांस के टुकड़े बरामद हुए। इसके बाद कार्यकर्ता वाहन और चालक को लेकर बाजार चौकी पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस से मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान चौकी परिसर में कार्यकर्ताओं ने काफी देर तक नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन भी किया। विहिप नगर अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि क्षेत्र में नजीबाबाद से लगातार मांस की तस्करी की जा रही है, जिस पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन प्रभावी रोक नहीं लग पाई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मांस के नमूने परीक्षण के लिए भेजे जाने की बात कही है।

मंत्री ने किया विद्यालय भवन का लोकार्पण

श्रीनगर गढ़वाल : कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अपने दो दिवसीय श्रीनगर भ्रमण के प्रथम दिन शिक्षा, खेल एवं जनसंपर्क से जुड़े कई कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने राजकीय प्राथमिक विद्यालय श्रीकोट गंगानाली में लगभग 36.30 लाख रुपए की लागत से बने नव निर्मित भवन का लोकार्पण किया तथा विद्यालय के पीछे पुश्ता और चहारदीवारी निर्माण के लिए 2 लाख रुपए अतिरिक्त देने की घोषणा की। इस मौके पर मंत्री ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्रीकोट गंगानाली में प्रस्तावित कंप्यूटर कक्ष का भूमि पूजन किया। डॉ. रावत ने कहा कि शिक्षा के प्रति उनका विशेष लगाव है और वह स्वयं विद्यालयों में पहुंचकर समस्याओं के समाधान का प्रयास करते हैं। उन्होंने विद्यालय परिसर की सुरक्षा दीवार को मजबूत करने के निर्देश भी दिए। सीडीएस स्व. विपिन रावत स्टेडियम, श्रीकोट के निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश के बच्चों को 2037 ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जा रहा है।

न्यायालय के निर्देश पर समिति को सौंपी मंदिर की चाबी

मंदिर समिति को चाबी सौंपते अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : न्यायालय के आदेश पर उपजिलाधिकारी की ओर से सुखरौ मंदिर के संचालन हेतु मंदिर समिति को चाबी सौंप दी गई है।

मंदिर समिति के अध्यक्ष राजाराम अण्थ्वाल ने बताया कि 11 नवंबर को प्रशासन ने सुखरौ देवी मंदिर समिति का बिना पक्ष सुने मंदिर के वाचनालय, पुस्तकालय व दान पात्र को सीज कर दिया था। जिसके बाद समिति ने न्यायालय में अपना पक्ष रखा। मंदिर समिति का पक्ष सुनते हुए न्यायालय ने मंदिर संचालन की जिम्मेदारी समति को सौंपने के निर्देश दिए। जिसके क्रम में उपजिलाधिकारी ने मंदिर की चाबी समिति को सौंप दी है। न्यायालय के इस निर्णय का मंदिर समिति ने स्वागत किया है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमन्त्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	SNTRT-SigLC- InterlockingA इंटरलॉकिंग ऑफ़ एल सी गेट्स टी यू वी > 20000 इन दा सेक्शन ऑफ़ एडीएसटी/हरदोई ऑफ़ मुरादाबाद डिवीज़न	109279559.62	2185600.00	Nil	15.06.2026 15:00

नोटः– निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। Tender Notice-SNTRT-SigLC-InterlockingA Date: 21.05.2026 1723/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक 21.05.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/III/ मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	47-DRM-MB-26-27 DATE 21.05.2026	60-DRM-MB-26-27 DATE 21.05.2026	65-DRM-MB-26-27 DATE 21.05.2026
कार्य का नाम	Divyangjan facilities at various stations under ADEN/BE	Construction of Crew and Train manager Lobby at Bareilly	CTR(P) 12.318 Km of Looplines in the section of ADEN/SPN & ADEN/BE & Other Miscellaneous Work in the Section of Sr. DEN/III/NR/MB
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	15.06.2026 at 16:00 Hrs.	15.06.2026 at 16:00 Hrs.	15.06.2026 at 16:00 Hrs.
अनुमानित लागत	2,04,43,516.90	1,25,35,238.99	2,57,45,315.63
धरोहर राशि	4,08,900.00	2,50,700.00	5,14,900.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	27.05.2026	01.06.2026	01.06.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	10 Months	08 Months	12 Months

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1724/26

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
1	14/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026:- हरिद्वार, ऐथल, पथरी, इक्कड, ज्वालापुर, मोतीचूर, ऋषिकेश, लक्सर स्टेशन के उन्नयन के लिए विद्युत कार्य	1,46,16,426.60 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय मुरादाबाद	2,92,300.00	6 (छः) माह	निविदायें दिनांक 15.06.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय मुरादाबाद

निविदा सूचना सं.: 17/2026 दिनांक: 22.05.2026 1727/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु0)	बिड सिक्यूरिटी	कार्य के पूरा करने की समय अवधि
1.	13/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./ 2026:– हरिद्वार (HW), योग नगरी ऋषिकेश (YNRK), देहरादून और मसूरी में हॉलिडे होम/अधीनस्थ ORH के निर्माण के लिए विद्युत कार्य तथा HW और आसपास के स्थानों के लिए एयर कंडीशनिंग सिस्टम, वाटर कूलर, डेजर्ट कूलर आदि के सुधार के लिए विद्युत कार्य तथा LRJ-DDN खंड पर रायवाला स्टेशन पर मौजूदा FOB के लिए रैंप की व्यवस्था के लिए विद्युत कार्य तथा ADEN-RK के अंतर्गत ऐथल में उच्च–स्तरीय प्लेटफॉर्म (PF1) और FOB रैंप की व्यवस्था के लिए विद्युत कार्य तथा ADEN-HW के अंतर्गत PRI में मौजूदा FOB के लिए रैंप के साथ उच्च–स्तरीय प्लेटफॉर्म (PF2) की व्यवस्था के लिए विद्युत कार्य तथा NBD-SRE खंड पर लक्सर स्टेशन पर 3.0 चौड़ाई वाले FOB की व्यवस्था के लिए विद्युत कार्य।	10516165.06 (जीएसटी सहित)	210300.00	6 (छः) माह
2.	03/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026 दूसरी कॉलः– हरिद्वार स्टेशन पर क्रू और गार्ड लॉबी के निर्माण के लिए विद्युत कार्य, जिसमें पुरुष और महिला शौचालय/वॉशरूम, क्रू वेटिंग हॉल, सीएलआई काउंसलिंग रूम, सिम्युलेटर रूम, सीसीसी रूम, एसएनसी रूम और स्टोर रूम शामिल हैं, और रुड़की गुड्स शेड में बुनियादी ढांचे के उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए विद्युत कार्य, और धामपुर गुड्स शेड में बुनियादी ढांचे के उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए विद्युत कार्य।	7939120.08 (जीएसटी सहित)	158800.00	12 (बारह) माह

3.	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवम् कार्यालय का पता
	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, मुरादाबाद	निविदाए दिनांक 12.06.2026 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय/मुरादाबाद।

निविदा सूचना सं0: 16/2026 दिनांक: 21.05.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1719/26

वनाग्नि रोकथान के लिए चलाया सफाई अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विश्व जैव विविधता दिवस के अवसर पर पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में छात्र-छात्राओं द्वारा वनाग्नि रोकथाम के उद्देश्य से विद्यालय परिसर एवं वृक्ष वाटिका में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर के चारों ओर फैले पिरूल एवं अन्य खरपतवार को एकत्रित कर उनका सुरक्षित निस्तारण किया।

छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के गढ़वाल मंडल कार्यक्रम समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य पृथ्वी पर मौजूद सभी जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों एवं पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2000 में

आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान चलाते विद्यार्थी

इस दिवस को आधिकारिक रूप से मनाने की घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध वैज्ञानिक एडवर्ड ओसबोर्न विल्सन को ह्लजैव विविधता का जनकह्व माना जाता है। इस वर्ष विश्व जैव विविधता दिवस की थीम ह्लवैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्यह्व निर्धारित की गई है। यह थीम इस बात पर केंद्रित है कि जैव विविधता संरक्षण हेतु स्थानीय स्तर पर किए गए छोटे-छोटे प्रयास भी वैश्विक लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। पुष्कर सिंह नेगी ने कहा कि जैव विविधता मानव अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह हमें भोजन, स्वच्छ हवा, पानी, औषधीय जड़ी-बूटियां तथा स्थिर जलवायु प्रदान करती है।

उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण एवं वनाग्नि रोकथाम के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर यूथ एवं ईको क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) तथा एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्वतीय पर्यटन एवं आतिथ्य अध्ययन केंद्र सैर सलीका के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों ने फायर सीजन के दौरान जंगलों को आग से बचाने के उद्देश्य से विद्यालय परिसर के आसपास आंधी-तूफान से गिरे पिरूल एवं अन्य ज्वलनशील खरपतवार को एकत्रित कर उनका निस्तारण किया।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉरपोरेट आइडिन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

ई–निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा के अन्तर्गत निम्न वर्णित निविदा आमन्त्रित की जाती है। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफ०डी०आर०/सी०डी०आर० के रूप में अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए निविदा को निरस्त कर सकते है। कार्य अन्य विवरण के लिये वेबसाइट www.uktenders.gov.in को देखे।

ई–निविदा संख्या	ई–निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी सहित)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	ई–निविदा क्रय करने हेतु अन्तिम तिथि एवं समय	ई–निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	ई–निविदा प्रपत्र आनलाइन एवं ऑफलाइन निविदा प्रथम भाग खुलने की तिथि एवं समय
01/EDDN/2026–27	रू0 590/–	अधिशासी अभियन्ता, वि0वि0 खण्ड, नैनीडांडा हेतु एक डीजल चालित वाहन (जीप)	0.24	दि0. 09.06.2026 15.00 बजे तक	दि0. 10.06.2026 12.00 बजे तक	दि0. 10.06.2026 15.00 बजे
02/EDDN/2026–27	रू0 590/–	उपखण्ड अधिकारी वि0वि0 उपखण्ड, थलीसैंण हेतु एक डीजल चालित वाहन (जीप)	0.24	दि0. 09.06.2026 15.00 बजे तक	दि0. 10.06.2026 12.00 बजे तक	दि0. 10.06.2026 15.30 बजे

पत्रांक : 242/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6
दिनांक : 22.05.2026

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

संपादकीय

जेन—जी में सुलगती चिंगारी

देश का युवा वह शक्ति है जो अपनी ऊर्जा के आधार पर वक्त और समाज की दिशा को बदलने का जज्बा रखता है। अभी कुछ समय पहले ही हमारे पड़ोसी देश नेपाल में युवाओं का जो आंदोलन पूरे विश्व में देखा था उसने कई सत्ता सिंह परियों के होश फाख्ता कर दिए थे। था पलट हुआ और सत्ता की कमान युवा हाथों में जा पहुंची। सबसे हैरान कर देने वाला दृश्य मंत्रियों की पिटाई का देखने को मिला जिसने युवाओं के अंदर छिपे आक्रोश को उजागर किया। किसी भी देश के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं है और इसे लगभग गृह युद्ध की श्रेणी में रखा जा सकता है। लेकिन यह हालत एक दिन में पैदा नहीं होते बल्कि इसके पीछे छिपा होता है सत्ता के खिलाड़ियों का वह खेल जो वह आम जनता और उनको मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं से जुड़ा हुआ होता है। जनता की भावनाओं और उनकी समस्याओं को दरकिनार कर अपने नाते रिश्तेदारों एवं परिवार को राजशाही सुख देकर राज नहीं किया जा सकता। कई बार ऐसी परिस्थितिया बिगड़ते हालातो के बाद आती है तो कभी युवाओं पर की गई शर्मनाक टिप्पणी भी क्रांतिकारी परिवर्तन की और युवाओं को ले जाती है। हमारे देश के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को लेकर "कॉकरोच" शब्द प्रयोग करना युवा वर्ग को रास नहीं आया और देखते ही देखते अमेरिका में बैठे एक भारतीय ने "कॉकरोच जनता पार्टी" का ही गठन कर डाला। अब इसे युवाओं की व्यवस्थाओं के प्रति निराशा कहें या फिर मन में छिपा आक्रोश, 'कॉकरोच जनता पार्टी" के फॉलोअर आंकड़े ने भाजपा व कांग्रेस के को भी पीछे छोड़ दिया। महज 3 से 5 दिन में फॉलोअर्स की संख्या 15 मिलियन के पार हो गई जिसने तमाम बड़े नेताओं की रातों की नींद उड़ा दी। निश्चित तौर पर देश का युवा व्यवस्थाओं को लेकर खुद को सुरक्षित महसूस करता है जहां उसके रोजगार जैसे मुख्य मुद्दों पर तमाम सरकारी नियम कानून और खास व्यवस्थाएं रोड़ा अटकाए बैठे हैं। उस पर वर्षभर परीक्षा देने के बाद जब प्रश्न पत्र ही लीक हो जाए तो निराशा और कुंठा आखिर घर क्यों नहीं करेगी? आखिर लगातार परीक्षाओं को लेकर ऐसी लापरवाही क्यों सामने आती है? स्पष्ट है कि परीक्षाओं में मिलीभगत और कुछ खास लोगों की पहुंच योग्य परीक्षार्थियों के हक पर कुंडली जमाई बैठी है। लेकिन अब युवाओं का धैर्य से जवाब देने लगा है और भारत सरकार को इस दबी हुई चिंगारी और क्रांति को सुलगना से पहले शांत करना होगा अन्यथा उस स्थिति के लिए भी तैयार रहना होगा जो विभिन्न देशों में युवा आंदोलन के तौर पर देखने को मिली है। "कॉकरोच जनता पार्टी" को लेकर अब नेगेटिव प्रोपेगेंडा भी शुरू कर दिया गया है लेकिन इससे परे चिंतन करें तो यह युवाओं की अंदर की पीड़ा है जिसे उजागर करने के लिए उन्हें एक ऐसा मंच मिला है जिसमें फिलहाल किसी राजनीतिक दल या अवसरवादी नेता की दखलंदाजी नहीं है। देश के अंदर अशांति अच्छी नहीं है और खास तौर पर युवा अगर सड़कों पर उतरता है तो इसके परिणाम निश्चित तौर पर सामाजिक, आंतरिक एवं सुरक्षा संबंधी विषय पर चिंता जनक साबित हो सकते हैं।

1975 का आक्रोश और 2026 का बेचैन भारत?

सनत जैन

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 1975 केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि सत्ता, आर्थिक संकट और जनाक्रोश के टकराव का प्रतीक भी है। 2026 में देश की परिस्थितियों को देखकर बार-बार 1975 की मंहगाई का वही प्रश्न उठता है, क्या भारत फिर किसी बड़े राजनीतिक और सामाजिक विस्फोट की ओर बढ़ रहा है? जिसमें सत्ता का परिवर्तन भी हुआ था। 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को पराजित कर स्वतंत्र राष्ट्र के तौर पर बांग्लादेश का निर्माण कराया था। करीब एक करोड़ शरणार्थियों का बोझ भारत ने उठाया। पाकिस्तानी सेना के 95000 से अधिक जवान आत्मसमर्पण कर भारत में रहे। युद्ध के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंध ने तेल संकट और आर्थिक प्रतिबंधों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी थी। पेट्रोल, डीजल और खाद्यान्न की कमी ने महंगाई को विस्फोटक बना दिया। इंदिरा गांधी 1971 का युद्ध जीतकर ह्लदुर्गाह्व कहलायीं, लेकिन 1974 आते-आते जनता की नजर में वही इंदिरा गांधी की सरकार महंगाई और बेरोजगारी की प्रतीक बन गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित किया गया, इसने आंदोलन की आग में घी डालने और आंदोलन को उग्र किया। छात्र, कर्मचारी, ट्रेड यूनियन और विपक्ष एक मंच पर आ गए। जयप्रकाश नारायण ने व्यवस्था परिवर्तन का नारा दिया। रेलवे हड़ताल से लेकर विश्वविद्यालयों के छात्र आंदोलनों तक से देश उबाल पर था। जेपी ने पुलिस और सेना को सरकार के आदेश नहीं मानने का आव्हान किया। जब सरकार को लगा कि आंदोलन नियंत्रित करना संभव नहीं है, सत्ता हाथ से निकल सकती है, तब 25 जून 1975 को सरकार ने आपातकाल लागू कर दिया। लोकतंत्र को कुचलने की वह कीमत अंततः कांग्रेस को 1977 के चुनाव में चुकानी पड़ी। उत्तर भारत में कांग्रेस की करारी पराजय हुई। आज का भारत भले तकनीकी रूप से आधुनिक हो। आर्थिक और सामाजिक बेचैनी 1975 जैसी खतरनाक स्तर तक बढ़ती हुई दिख रही है। रुपया लगातार गिर रहा है। 97 के स्तर पर पंहुच गया है। महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ रही है, आयात बढ़ गया है। विदेशी मुद्रा का संकट है। युवाओं में बेरोजगारी को लेकर गुस्सा बढ़ रहा है। करोड़ों डिग्रीधारी युवा प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक, भर्ती घोटालों और अस्थायी रोजगार से त्रस्त हैं। जिन युवाओं को अच्छे दिन, करोड़ों युवाओं को हर साल नौकरी देने और ह्लविश्वगुरु भारतह्व का सपना दिखाया गया था। वही युवा वर्ग आज नौकरी और भविष्य की सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है, जनता का भरोसा वर्तमान सरकार से तेजी से कमजोर पड़ता दिख रहा है। किसान आंदोलनों, अग्निवीर योजना के विरोध, पेपर लीक, आरक्षण विवाद और मतदाता सूची से नाम काटे जाने भ्रष्टाचार जैसे आरोपों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। न्यायपालिका को लेकर असंतोष और अविश्वास बढ़ा है। हाल में बेरोजगार युवाओं को लेकर मुख्य न्यायाधीश की कथित टिप्पणी ने युवाओं के आक्रोश को और हवा दी है। जब जनता को यह महसूस होने लगे, सत्ता, प्रशासन और न्याय तीनों उसकी पीड़ा को नहीं सुन रहे हैं, तब व्यवस्था के प्रति अविश्वास खतरनाक मोड़ पर पंहुच जाता है। मंहगाई, बेरोजगारी और कर्ज के कारण आम आदमी का जीवन मुश्किल हो गया है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में युवाओं का उग्र असंतोष सत्ता परिवर्तन का कारण बना है। भारत में भी सोशल मीडिया के दौर में नाराजगी अधिक तेजी से फैल रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि भारत का आकार और सोच कहीं अधिक बड़ी है। यदि आर्थिक संकट, बेरोजगारी, कर्ज और राजनीतिक, धार्मिक ध्रुवीकरण इसी तरह बढ़ते रहे, तो सामाजिक परिवर्तन की दशा में 1975 से ज्यादा गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने से नहीं चलता। जब जनता की थाली महंगी हो, जेब खाली हो और भविष्य अंधकारमय लगे, तब सबसे शक्तिशाली सरकार का अस्तित्व समाप्त हो जाता है। 1975 में सत्ता ने असहमति को दबाने का रास्ता चुना था। 2026 के भारत में सत्ता के सामने यही चुनौती है। वर्तमान सरकार लोकतंत्र में पूंजीवादी व्यवस्था के स्थान पर समाजवादी व्यवस्था जिसमें समाज के सभी कमजोर वर्ग को राहत मिले। यह रास्ता चुनेगी या एक बार फिर इतिहास खुद को दोहराने की कोशिश करेगा।

जातिगत जनगणना पर सुप्रीम कोर्ट की ऐतिहासिक मुहर

किशन सनमुखदास

चुनौती याचिका 20 मई 2026 को खारिज- संवैधानिक वैधता, सामाजिक न्याय और भारत की नई नीति- व्यवस्था की दिशा का व्यापक समग्र विश्लेषण...

भारत की जनगणना 2027 डिजिटल इंडिया और डेटा-आधारित गवर्नेंस के सबसे बड़े प्रशासनिक अभियानों में से एक माना जा रहा है.

सुप्रीम कोर्ट का 20 मई 2026 का यह फैसला केवल एक याचिका खारिज करने तक सीमित नहीं है।बल्कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक न्याय की अवधारणा और डेटा- आधारित शासन प्रणाली के भविष्य को दिशा देने वाला निर्णय.

वैश्विक स्तरपर भारत में वर्षों से चल रही जातिगत जनगणना की बहस को बुधवार 20 मई 2026 को एक निर्णायक मोड़ तब मिला, जब भारतीय सुप्रीमकोर्ट ने जातिगत जनगणना के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इस फैसले ने केवल एक कानूनी विवाद का अंत नहीं किया,बल्कि यह स्पष्ट संदेश भी दे दिया कि भारत में होने वाली जनगणना 2027 पूरी तरह संवैधानिक,कानूनी और नीतिगत अधिकारों केदायरे में संचालित की जा रही है। बता दें इसके पूर्व भी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (11 अप्रैल, 2026) को केंद्र को जाति जनगणना रोकने का निर्देश देने वाली याचिका को खारिज कर दियाथा और जनहित याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा के लिए याचिकाकर्ता की कड़ी आलोचना की। पिछले कुछ महीनों से जातिगत जनगणना को लेकर राजनीतिक, सामाजिक और वैचारिक स्तर पर तीखी बहस चल रही थी। कुछ वर्ग इसे सामाजिक न्याय का आधार बता रहे थे, जबकि विरोधी पक्ष इसे सामाजिक विभाजन बढ़ाने वाला कदम कह रहा था। किंतु सर्वोच्च अदालत के ताजा निर्णय ने यह स्थापित कर दिया कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को यह अधिकार है कि वह देश की सामाजिक संरचना, विशेषकर पिछड़े वर्गों की वास्तविक संख्या और स्थिति को समझने के लिए डेटा एकत्र करे, ताकि उसके आधार पर कल्याणकारी योजनाएं बनाई जा सकें। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत की जनगणना 2027 केवल एक पारंपरिक जनगणना नहीं मानी जा रही,बल्कि इसे डिजिटल इंडिया और डेटा-आधारित गवर्नेंस के सबसे बड़े प्रशासनिक अभियानों में से एक माना जा रहा है। लगभग डेढ़ सौ वर्षों से चली आ रही जनगणना व्यवस्था अब तकनीकी रूप से आधुनिक स्वरूप में प्रवेश कर चुकी है।

साथियों इस बार की जनगणना दो बड़े चरणों में आयोजित की जा रही है।पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हुआ,जिसमें हाउस लिस्टिंग और आवासीय गणना की प्रक्रिया अपनाई गई। 16 अप्रैल से 15 मई 2026 तक चले इस चरण में देशभर के घरों,संपत्तियों,भवनों, आवासीय सुविधाओं, जल स्रोतों, बिजली, इंटरनेट, शौचालय, रसोई, वाहन और सामाजिक- आर्थिक आधारभूत संरचनाओं से संबंधित डेटा संकलित किया गया।यह चरण केवल जनसंख्या गिनने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह देश की जीवन- स्थितियों का व्यापक सामाजिक -आर्थिक सर्वेक्षण भी बन गया।जनगणना का दूसरा चरण वर्ष 2027 में प्रारंभ होगा, जिसमें प्रत्येक परिवार और उसके सदस्यों की विस्तृत व्यक्तिगत जानकारी दर्ज की जाएगी। इसमें आयु, शिक्षा, रोजगार, भाषा, वैवाहिक स्थिति, प्रवासन, सामाजिक श्रेणी और विशेष रूप से जातिगत विवरण शामिल होंगे। पहली बार इतनी व्यापक डिजिटल प्रणाली अपनाई जा रही है जिसमें मोबाइल ऐप, टैबलेट आधारित डेटा एंट्री, ऑनलाइन सत्यापन और केंद्रीकृत डेटा मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।सरकार का उद्देश्य केवल आंकड़े जुटाना नहीं, बल्कि डेटा आधारित नीति निर्माण को मजबूत करना है। यही कारण है कि जातिगत आंकड़ों को अब सामाजिक न्याय और संसाधन वितरण के दृष्टिकोण से सटीक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। साथियों, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट कहा कि जातिगत जनगणना करना या न करना सरकार का नीतिगत अधिकार है।अदालत ने कहाकि जब तक कोई नीति संविधान या कानून का उल्लंघन नहीं करती, तब तक न्यायपालिका उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। अदालत की यह टिप्पणी भारतीय लोकतंत्र में शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को भी मजबूती देती है, जहां नीति निर्माण कार्यपालिका का क्षेत्र माना जाता है और न्यायपालिका केवल वैधानिकता की समीक्षा करती है। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार के लिए यह जानना जरूरी है कि देश में अन्य पिछड़ा वर्ग और सामाजिक रूप से वंचित समूहों की वास्तविक संख्या कितनी है,ताकिउनके लिए उपयुक्त कल्याणकारी योजनाएं बनाई जा सकें।अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जाति आधारित गणना अपने आप में असंवैधानिक नहीं है।यदि सरकार सामाजिक और आर्थिक नीतियों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आंकड़े जुटाना चाहती है, तो यह उसका वैध प्रशासनिक अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि किसी नीति के संभावित दुरुपयोग की आशंका मात्र से उसे रोका नहीं जा सकता। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि याचिकाकर्ता का मुख्य तर्क यही था कि जातिगत आंकड़ों का राजनीतिक और सामाजिक दुरुपयोग हो सकता है। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि सरकार के पास पहले से ही पर्याप्त सामाजिक डेटा उपलब्ध है, इसलिए अलग से जातिगत गणना की आवश्यकता नहीं है। किंतु अदालत ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और कहा कि सरकार को समकालीन और प्रमाणिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि पुराने डेटा के आधार पर प्रभावी नीति निर्माण सटीक रूप से संभव नहीं है।

साथियों, यह फैसला सामाजिक न्याय की राजनीति और प्रशासनिक नीति दोनों के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। भारत में लंबे समय से यह बहस चलती रही है कि आरक्षण, कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक प्रतिनिधित्व का वास्तविक आधार क्या होना चाहिए। अनेक विशेषज्ञों का मानना रहा है कि बिना अद्यतन जातिगत आंकड़ों के सामाजिक न्याय की नीतियां अधूरी रहती हैं। स्वतंत्र भारत में 1931 के बाद व्यापक स्तर पर जातिगत आंकड़े उपलब्ध नहीं रहे, जिसके कारण पिछड़े वर्गों की वास्तविक संख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को लेकर लगातार विवाद बना रहा। ऐसे में जनगणना 2027 को एक ऐतिहासिक अवसर के रूप में देखा जा रहा है, जो देश की सामाजिक संरचना का वास्तविक चित्र सामने ला सकती है।

साथियों, राजनीतिक दृष्टि से भी यह मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण बन चुका है। कई राज्यों में जातिगत सर्वेक्षण और सामाजिक गणना पहले ही राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन चुके हैं। बिहार, कर्नाटक और अन्य राज्यों में किए गए जातीय सर्वेक्षणों ने राष्ट्रीय स्तर पर बहस को और तेज किया। केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना की दिशा में आगे बढ़ना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि भविष्य की नीतियां अधिक डेटा-आधारित और लक्ष्य केंद्रित होंगी। इससे यह भी संभावना बढ़ेगी कि सामाजिक योजनाओं में संसाधनों का वितरण वास्तविक जनसंख्या अनुपात और जरूरतों के आधार पर किया जा सके।

साथियों, सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 11 अप्रैल 2026 को भी ऐसी ही एक याचिका को खारिज किया था, जिसमें केंद्र सरकार को जातिगत जनगणना रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी। उस समय अदालत ने याचिका में प्रयुक्त भाषा पर भी कड़ी टिप्पणी की थी। अदालत का यह लगातार रुख स्पष्ट करता है कि वह जनगणना जैसे प्रशासनिक और नीतिगत विषयों में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप से बचना चाहती है। इससे यह संदेश भी गया है कि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में नीति निर्माण की प्राथमिक जिम्मेदारी निर्वाचित सरकारों की होती है।जातिगत जनगणना के समर्थकों का तर्क है कि भारत जैसे बहुस्तरीय सामाजिक ढांचे वाले देश में समान अवसर और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक आंकड़े अत्यंत आवश्यक हैं। यदि सरकार को यह ज्ञात ही नहीं होगा कि किस समुदाय की आबादी कितनी है, उनकी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति कैसी है, तो योजनाओं का सही लक्ष्य निर्धारण संभव नहीं होगा। यही कारण है कि अदालत ने भी सरकार की इस आवश्यकता को स्वीकार किया कि पिछड़े वर्गों की संख्या और स्थिति जानना शासन व्यवस्था के लिए आवश्यक है।दूसरी ओर, विरोधियों की आशंका यह रही है कि जातिगत पहचान को फिर से केंद्र में लाने से सामाजिक ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। उनका मानना है कि आधुनिक भारत को जाति से ऊपर उठकर आर्थिक और मानव विकास के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए।

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

ललित गर्ग

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है।

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है- सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। ह्लसत्यं वद, धर्मं चरह्व, ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व, ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःह्व जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल ह्लहिंदू विरोधह्व बनाम ह्लराजनीतिक विरोधह्व के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रूवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है।

भारत की राजनीति को ह्लधर्म बनाम धर्मह्व की लड़ाई से ऊपर उठकर ह्लजन बनाम जनसमस्याह्व के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक ध्रुवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां शंकराचार्य भी हैं, बुद्ध भी हैं, महावीर भी हैं, कबीर भी हैं, वेद भी हैं और संविधान भी। भारत ने सदैव संवाद को संघर्ष से ऊपर रखा है। इसलिए राजनीति का भी दायित्व है कि वह समाज को जोड़ने वाली भाषा बोले। आज जब विश्व संघर्षों, सांस्कृतिक तनावों और पहचान की राजनीति से जूझ रहा है, तब भारत के पास ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व का संदेश है। यही सनातन का वास्तविक स्वरूप भी है-समावेश, करुणा और सहअस्तित्व।

राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति संस्कृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा। सनातन का अर्थ शाश्वत है, और शाश्वत वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। इसलिए किसी भी प्रकार का अंध-विरोध या अंध-समर्थन समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता है विवेकपूर्ण दृष्टि, संतुलित राजनीति और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की। भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह आस्था का सम्मान करे, लेकिन राजनीति को जनहित का माध्यम बनाए। तभी लोकतंत्र भी मजबूत होगा और समाज भी समरस बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने सीरियाई राष्ट्रपति को फिर अपना परफ्यूम भेजा, कहा- पुराना वाला खत्म हो गया होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने खुलासा किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें अपने ब्रांडेड 'विक्ट्रोइ' कोलोन की नई बोतलें भेजी हैं। ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद पिछली बार दी गई खुशबू खत्म हो गई होगी। अल-शरा ने सोशल मीडिया पर दो कोलोन बोतलों की तस्वीर साझा की। इसके साथ ट्रम्प का एक संदेश भी था, जिसमें लिखा था, 'हमारी तस्वीर की काफी चर्चा हो रही है, जब मैंने तुम्हें यह शानदार कोलोन दिया था। अगर तुम्हारे पास खत्म हो गया हो तो ये रही नई बोतलें।' सीरियाई राष्ट्रपति ने पोस्ट में ट्रम्प को धन्यवाद देते हुए लिखा कि कुछ मुलाकातें गहरी छाप छोड़ जाती हैं और वह उम्मीद करते हैं कि उस मुलाकात की भावना सीरिया और अमेरिका के रिश्तों को और मजबूत करेगी। पिछले साल नवंबर में दोनों नेताओं की मुलाकात का वीडियो भी काफी चर्चा में रहा था। वीडियो में ट्रम्प अल-शरा पर अपना ब्रांडेड कोलोन स्प्रे करते दिखाई दिए थे और बाद में उन्हें वह गिफ्ट कर दिया था। इसी दौरान ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में अल-शरा से पूछा था कि उनकी कितनी पत्नियां हैं। अल-शरा ने हंसते हुए जवाब दिया था कि उनकी सिर्फ एक पत्नी है। इसके बाद ट्रम्प ने मजाक में उनके कंधे पर थपकी दी थी।

जो मैं कहूंगा, वही करेंगे नेतन्याहू; ट्रंप का बड़ा दावा- दो साल बाद इजरायल में लड़ूंगा प्रधानमंत्री चुनाव, 99% मेरी रेटिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फिर एक ऐसा दावा किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय जगत में हलचल पैदा हो गई है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि इजरायल में उनकी लोकप्रियता 99 प्रतिशत है और मजाकिया अंदाज में कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा होने के बाद (2028 में) वह वहां प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें एक ताजा सर्वेक्षण में बेहद ऊंची रेटिंग मिली है। उन्होंने कहा, 'तो शायद यह काम पूरा करने के बाद, मैं इजरायल जाऊंगा और प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ूंगा। आज सुबह ही एक जनमत सर्वेक्षण आया है, जिसमें मेरी रेटिंग 99% है। जब पत्रकारों ने उनसे ईरान पर संभावित हमले के बारे में पूछा, तो ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य के साथ किसी समझौते पर पहुंचने की उन्हें 'कोई जल्दी नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हमें होर्मुज समुद्री मार्ग को खोलना होगा, वह तुरंत खुल जाएगा, इसलिए हम इसे एक मौका देंगे। मुझे कोई जल्दी नहीं है। यह कोई कह रहे है, 'ओह, मध्यावधि चुनाव आ रहे हैं।' आदर्श रूप से, मैं चाहूंगा कि कम से कम लोग मारे जाएं, न कि बहुत ज्यादा।' पत्रकार लगातार ट्रंप से पूछते रहे कि उन्होंने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से इस हमले के बारे में क्या कहा है? इस पर रिपब्लिकन नेता ने जवाब दिया, 'वह बहुत अच्छे इंसान हैं; वह वही करेंगे जो मैं उनसे करवाना चाहूंगा। और वह एक बेहतरीन व्यक्ति हैं... यह मत भूलिए कि वह युद्धकालीन प्रधानमंत्री रह चुके हैं।' उन्होंने यह दावा भी किया कि इजरायल में नेतन्याहू के साथ 'सही बर्ताव नहीं' किया जाता। ट्रंप ने कल ही ईरान को एक नई चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 'एक और बड़ा हमला' हो सकता है।

पाकिस्तान में मारे गए 14 आतंकी, भीषण गोलीबारी में मुमताज इम्ती की भी हुई मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र समूहों के बीच बुधवार को हुई झड़प में कम से कम 14 आतंकवादी मारे गए। इस खूनी झड़प में कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे मध्य कुर्रम जिले के मनातो कामरान इलाके में स्वयंभू आतंकी कमांडरों काजिम और मुमताज इम्ती नीत समूहों के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी में मुमताज इम्ती भी मारा गया। झड़प के बाद स्थानीय लोगों ने शवों को उसी इलाके में दफना दिया। मध्य कुर्रम में कई आतंकवादी गुटों की मौजूदगी की खबरों के बीच कई बार अभियान चलाए गए हैं। बता दें कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने मंगलवार को क्वेटा छावनी का दौरा किया था। जहां उन्होंने अशांत बलूचिस्तान प्रांत में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की थी। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान के मुताबिक, फील्ड मार्शल मुनीर ने अपने दौरे के दौरान क्वेटा स्थित कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में छात्र अधिकारियों और संकाय सदस्यों को भी संबोधित किया था। मुनीर ने बलूचिस्तान में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की और मौजूदा सुरक्षा माहौल के पहलुओं पर जोर दिया। मुनीर ने दोहराया कि पाकिस्तानी सशस्त्र बल सभी तहत के आतंकवाद के उन्मूलन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। मालूम हो कि पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत काफी अशांत है।

बांग्लादेश ने तीस्ता और पद्मा बैराज प्रोजेक्ट का किया ऐलान, चीन से अरबों डॉलर की मांगी फंडिंग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपनी जल समस्याओं को सुलझाने और कृषि को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और बीएनपी चेयरमैन तारिक रहमान ने बुधवार को साफ कर दिया कि उनकी सरकार देश में बहुप्रतीक्षित पद्मा और तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट्स पर जल्द ही काम शुरू करेगी। यह ऐलान ऐसे समय में हुआ है जब रहमान जल्द ही चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। अब इस पूरे प्रोजेक्ट में चीन की बड़ी आर्थिक भूमिका होने की संभावना बन गई है।

गाजीपुर से किया बड़ा ऐलान : बुधवार दोपहर ढाका के पास गाजीपुर में 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान' की इमारत का शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए रहमान ने यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह बीएनपी सरकार पद्मा बैराज और तीस्ता बैराज दोनों का काम शुरू करेगी। बीएनपी ने तीस्ता मुद्दे को लेकर कई कार्यक्रम चलाए हैं। इसलिए, अगर किसी ने इस दिशा में वास्तव में काम किया है और जमीन तैयार की है, तो वह बीएनपी ही है। सरकार पहले ही उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों (खासकर राजशाही में पद्मा नदी पर) में पद्मा बैराज बनाने की मंजूरी दे चुकी है, और अब प्रधानमंत्री ने तीस्ता बैराज को भी आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखा दी है। चीन दौरे पर टिकी नजरें, अरबों डॉलर की डील संभव तीस्ता बैराज को लेकर की गई यह घोषणा बेहद रणनीतिक

मानी जा रही है। जून के अंत में प्रधानमंत्री रहमान चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि उनकी इस यात्रा के दौरान तीस्ता बैराज सहित कई अन्य अहम प्रोजेक्ट्स की फंडिंग को लेकर चीन के साथ विस्तार से बातचीत होगी। इस पूरे प्रोजेक्ट में अरबों डॉलर का निवेश शामिल होने का अनुमान है।

जल संकट और फरक्का बैराज पर क्या बोले रहमान : देश के जल संकट का जिक्र करते हुए रहमान ने कहा कि सूखे के मौसम में बांग्लादेश को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। उन्होंने सीमाओं के पार बन रहे बैराजों और पानी मोड़े जाने की तरफ इशारा किया। रहमान ने दावा किया कि भारत के फरक्का बैराज की वजह से उनके दक्षिणी क्षेत्र में समुद्र का खारा पानी घुस रहा है। इसका सीधा असर सुंदरबन समेत कई इलाकों पर पड़ रहा है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा, 'खारापन बढ़ने से कई पेड़-पौधे नष्ट हो रहे हैं और जानवर विलुप्त होने की कगार पर हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें यह बैराज बनाना ही होगा ताकि मॉनसून के अतिरिक्त पानी को जमा करके हम उसे सूखे के मौसम में अपने किसानों और आम लोगों को समय पर उपलब्ध करा सकें। भारत के साथ जल बंटवारा और अटका हुआ समझौता बांग्लादेश और भारत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर लंबे समय से असहमति रही है। 1996 में दोनों देशों के बीच गंगा नदी के जल बंटवारे पर एक ऐतिहासिक संधि हुई थी, जिसकी मियाद इसी साल दिसंबर में खत्म हो रही है। अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते को रिन्यू करने के लिए दोनों पक्षों के बीच फिलहाल बातचीत चल रही है। वहीं, तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर अधिकारियों का कहना है कि दोनों देश इस समझौते पर सहमत तो हो गए थे, लेकिन पश्चिम बंगाल के विरोध के चलते इस पर अब तक हस्ताक्षर नहीं हो सके हैं। बताया गया कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस समझौते का विरोध किया था। रहमान के ऐलान और चीन की एंट्री से भारत पर इसका क्या असर होगा? बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान द्वारा तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट के निर्माण का ऐलान और इसके लिए चीन से फंडिंग मांगने की तैयारी ने नई दिल्ली में रणनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने इसी महीने (मई 2026) बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात कर इस करीब 1 अरब डॉलर के मेगा प्रोजेक्ट के लिए औपचारिक रूप से मदद मांगी है। भारत के लिए यह सिर्फ एक जल प्रबंधन परियोजना नहीं है, बल्कि यह उसके पड़ोस में राष्ट्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक प्रभाव से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। भारत पर इसके संभावित असर को इन चार मुख्य बिंदुओं में समझा जा सकता है: 'चिकन नेक' (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) की सुरक्षा पर सीधा खतरा भारत की सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा को लेकर है। तीस्ता नदी का क्षेत्र भारत के रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बेहद करीब है। यह 60 किलोमीटर लंबा और 20 किलोमीटर चौड़ा संकरा रास्ता भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को शेष भारत से जोड़ता है। इस प्रोजेक्ट के बहाने नदी प्रबंधन, निर्माण और इंजीनियरिंग के नाम पर चीन की सरकारी कंपनियों (जैसे- पावर कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना) और चीनी इंजीनियरों की इस इलाके में मौजूदगी भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा 'रेड फ्लैग' है। कूटनीतिक मोर्चे पर भारत के लिए बड़ा झटका यह कदम जल कूटनीति में भारत के लिए एक कड़े संदेश की तरह है।

'युद्ध नहीं, सम्मानजनक कूटनीति ही बेहतर रास्ता': ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन

तेहरान , एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका देश युद्ध के बजाय कूटनीति और संवाद को प्राथमिकता देता है। सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा अपने सभी दायित्वों का सम्मान किया है और युद्ध से बचने के लिए हर संभव रास्ता अपनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कूटनीतिक विकल्प अभी भी खुले हुए हैं।

दबाव से झुकाना भ्रम है- ईरान राष्ट्रपति : पेजेशकियन ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि किसी भी देश को बल या दबाव के जरिए झुकाने की कोशिश करना एक भ्रम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की नीतियां लंबे समय में स्थायी समाधान नहीं दे सकतीं। उनके अनुसार, आपसी सम्मान के साथ की गई कूटनीति ही अधिक समझदारी भरा, सुरक्षित और स्थायी रास्ता है।

ईरान को ट्रंप की चेतावनी : रॉयटर्स ने ट्रंप के हवाले से कहा, सब कुछ खत्म हो गया है। उनकी नौसेना खत्म हो गई है। उनकी वायुसेना खत्म हो गई है। लगभग सब कुछ। अब बस एक ही सवाल है, क्या हम जाकर इसे खत्म कर दें? क्या वे किसी दस्तावेज पर दस्तखत करने वाले हैं? चलिए देखते हैं क्या होता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि वह क्षेत्र में बड़े युद्ध की बजाय सीमित स्तर पर तनाव या हिंसा को बेहतर मानते हैं। उन्होंने कहा, आदर्श रूप से मैं यह देखना चाहूंगा कि बहुत ज्यादा लोगों की बजाय कम

लोगों की जान जाए। हम इसे किसी दूसरे तरीके से भी कर सकते हैं, लेकिन मैं कम नुकसान देखना चाहूंगा। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में खराब आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण लोगों के बीच गुस्सा बढ़ रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के साथ एक सीमित समझौते का मतलब लंबे समय के संघर्षविराम से है, जिसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोलना होगा। ट्रंप ने कहा कि हम इसे एक मौका देने जा रहे हैं। मुझे कोई जल्दबाजी नहीं है। उन्होंने मध्यवर्ती चुनावों के राजनीतिक दबाव को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि वे भारी तबाही के बजाय कम से कम जनहानि देखना चाहते हैं। उन्होंने ईरान की मौजूदा आंतरिक स्थिति पर कहा कि वहां की जनता बेहद खराब दौर से गुजर रही है और वहां सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश और अशांति का माहौल है। गौरतलब है कि अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर 28 फरवरी को हमला किया था। जवाब में ईरान ने इस्राइल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार मिसाइल हमले किए। ईरान ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को ब्लॉक कर दिया, जिससे दुनिया में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा हो गया है।

अमेरिका ने ईरान को कड़ा जवाब दिया है, जरूरत पड़ी तो और सख्ती करेंगे : ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूएस कोस्ट गार्ड अकादमी के दीक्षांत समारोह में छात्रों की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की इमिग्रेशन और आर्थिक नीतियों का बचाव किया और ईरान को लेकर नई चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि तेहरान को कभी परमाणु हथियार बनाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। बुधवार को कनेक्टिकट के न्यू लंदन में 2026 की ग्रेजुएटिंग क्लास को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस समय दुनिया का सबसे चर्चित और ताकतवर देश बन चुका है। उन्होंने कैडेट्स से कहा कि वे ऐसे समय में सेवा में शामिल हो रहे हैं, जब अमेरिका फिर से मजबूत स्थिति में है। ट्रंप ने कहा, 'हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने देंगे। बात बिल्कुल साफ है। उनके पास न्यूक्लियर वेपन नहीं होगा और वे समझौता करने के लिए बहुत बेचैन हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ने उन्हें काफी कड़ा जवाब दिया है और जरूरत पड़ी तो इससे भी ज्यादा सख्ती की जा सकती है। राष्ट्रपति ने अपने भाषण में कई बार कोस्ट गार्ड के हाल के ऑपरेशनों का जि?क्र किया और उन्हें ईरान, ड्रग तस्करी और समुद्री सुरक्षा के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई से जोड़ा। उन्होंने कहा कि कोस्ट गार्ड की टैक्टिकल टीमों ने ईरान से जुड़े प्रतिबंधित तेल जहाजों को पकड़ने में मदद की। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' में कोस्ट गार्ड की अहम भूमिका रही, ताकि ईरानी शासन कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। ट्रंप ने समुद्री कार्रवाई और ड्रग्स के खिलाफ अभियानों का भी ज?क्र किया। उन्होंने कहा कि उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से कोस्ट गार्ड ने घातक नशीली दवाओं की 20.6 करोड़ से ज्यादा खुराक जब्त की हैं। उन्होंने इसे समुद्र में बनी 'स्टील की दीवार' का अहम हिस्सा बताया। भाषण के दौरान ट्रंप ने राजनीति पर भी खुलकर बात की। उन्होंने पिछली सरकार की सीमा सुरक्षा नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका इतिहास की सबसे खराब सीमा स्थिति से निकलकर अब सबसे मजबूत बॉर्डर तक पहुंच गया है।

कौन बनेगा अमेरिका का अगला राष्ट्रपति? जेडी वेंस और मार्को रुबियो में ट्रंप की पसंद कौन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उत्तराधिकारी और साल 2028 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार को लेकर अंदरूनी राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। वाइट हाउस का प्रेस ब्रीफिंग रूम इन दिनों इस आगामी मुकाबले के लिए एक अनौपचारिक ऑडिशन स्टेज में तब्दील हो चुका है। दो हफ्ते पहले विदेश मंत्री मार्को रुबियो के पोडियम संभालने के बाद अब उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भी मीडिया के सामने मोर्चा संभालते नजर आते हैं। वाइट हाउस की नियमित प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के मैटरनिटी लीव पर होने के कारण दोनों बड़े नेताओं को बैक-टू-बैक प्रेस ब्रीफिंग की जिम्मेदारी दी गई, जिसे विशेषज्ञ 2028 की दावेदारी के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहे हैं। मंगलवार को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

ने लगभग एक घंटे तक पत्रकारों के तीखे और उलझाते सवालों का सामना किया। इस दौरान पत्रकारों के एक साथ चिल्लाने और सवाल पूछने की होड़ पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मार्को रुबियो बिल्कुल सही कह रहे थे, यह जगह वाकई किसी अराजकता से कम नहीं है।' वेंस ने पत्रकारों के बैठने की व्यवस्था पर भी हल्के-फुल्के अंदाज में मजाक किया। हालांकि, नीतिगत सवालों के जवाब देते समय उनका लहजा काफी नपा-तुला और संयत था। यह राष्ट्रपति ट्रंप की सीधी और आक्रामक शैली से अलग छाप छोड़ रहा था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जेडी वेंस ने ट्रंप प्रशासन की नीतियों का पुरजोर समर्थन किया। वेंस ने ईरान के खिलाफ उठाए गए कदमों को सही ठहराते हुए प्रशासन के फैसले का बचाव किया। वहीं, राजनीतिक उत्पीड़न के शिकार होने का दावा करने वाले ट्रंप के सहयोगियों को मुआवजा देने के लिए बनाए गए नए 1.7 अरब डॉलर के फंड को उन्होंने जायज ठहराया। ब्रीफिंग के दौरान जब एक पत्रकार ने वेंस को संभावित भावी उम्मीदवार कहकर संबोधित किया, तो वेंस ने तुरंत स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, 'मैं कोई संभावित भावी उम्मीदवार नहीं हूं। मैं अभी देश का उपराष्ट्रपति हूं। मुझे अपना काम बेहद पसंद है और मैं इस जिम्मेदारी को जितनी अच्छी तरह से हो सके इसे निभाने की कोशिश कर रहा हूं।

वेंस या रुबियो, ट्रंप के मन में क्या है : भले ही जेडी वेंस और मार्को रुबियो दोनों ही 2028 की अपनी राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षाओं को सार्वजनिक रूप से तवज्जो नहीं दे रहे हैं, लेकिन खुद डोनाल्ड ट्रंप इस रेस को हवा देने में पीछे नहीं हैं। पिछले हफ्ते वाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित एक डिनर के दौरान ट्रंप ने मेहमानों का मूड भांपने के लिए पूछा, 'जेडी वेंस किसे पसंद हैं? और मार्को रुबियो किसे पसंद हैं?' दोनों ही नामों पर मेहमानों ने लगभग बराबर उत्साह के साथ तालियां बजाईं। ट्रंप ने कहा कि अगर ये दोनों नेता एक साथ चुनावी मैदान में उतरें तो यह एक परफेक्ट टिकट होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी किसी एक को आधिकारिक समर्थन देना बहुत जल्दबाजी होगी।

ट्रंप की नीतियों के खिलाफ चीन-रूस मुखर, कहा- दुनिया बहुध्रुवीय हो रही है; गोल्डन डोम की भी निंदा

बीजिंग, एजेंसी। चीन-रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वर्चस्ववादी नीतियों की कड़ी निंदा की है। बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता के बाद जारी साझा बयान में दोनों देशों ने खुद को बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था यानी ऐसी दुनिया के समर्थक के रूप में पेश किया, जहां किसी एक देश का दबदबा न हो। चिनपिंग ने बिना अमेरिका का नाम लिए कहा कि दुनिया में एकाधिकार और वर्चस्ववादी प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। दोनों देशों को मिलकर एकतरफा दादागिरी का विरोध करना चाहिए और अधिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की रक्षा करनी चाहिए। चीनी समकक्ष की इस बात को पुतिन ने रूस-चीन संबंधों के लिए अभूतपूर्व बताया। साथ ही कहा कि एक बहुकेंद्रित दुनिया बनाने की जटिल प्रक्रिया आकार ले रही है और रूस-चीन साझेदारी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थिरता का बड़ा आधार है। पुतिन-जिनपिंग ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने पर एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

बीजिंग में पुतिन के ग्रेट हाल ऑफ द पीपल में औपचारिक स्वागत के बाद उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। ऐसे में लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है। वहीं, पुतिन ने कहा, रूस और चीन संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे मुख्य हितों की रक्षा के लिए साथ काम करेंगे। मॉस्को और बीजिंग के बीच करीबी रणनीतिक संबंध वैश्विक स्थिरता में अहम भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों ने रणनीतिक सहयोग मजबूत करने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के समर्थन में संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने संयुक्त घोषणापत्र में आधिकारिक तौर पर एकतरफा राजनीतिक प्रभुत्व का विरोध करने का संकल्प लिया और पश्चिमी रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा रियोजनाओं की कड़ी आलोचना की। नेताओं ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार का समर्थन किया। इसमें कहा गया है कि सभी द्विपक्षीय निर्यात-आयात अब अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पश्चिमी वित्तीय प्रतिबंधों से बचाने के लिए सीधे रूबल और युआन में किए जाएं। पुतिन-जिनपिंग ने बहुध्रुवीय दुनिया की वास्तविकताओं को दिखाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के संशोधन करने पर जोर दिया है। संयुक्त घोषणापत्र ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे गैर-पश्चिमी मंचों के जरिए वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देता है। रूस ने चीन को बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति का वादा किया है, जबकि दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग में एकतरफा हस्तक्षेप की निंदा की और समुद्री बुनियादी ढांचे को राजनीतिकरण से मुक्त रखने की अपील की।

क्यूबा पर बढ़ते तनाव के बीच कैरेबियन सागर पहुंचा यूएसएस निमित्ज, अमेरिका ने बढ़ाई सैन्य मौजूदगी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव ने अब सैन्य मोर्चे पर भी हलचल बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज अपने स्ट्राइक ग्रुप के साथ कैरेबियन सागर में पहुंच गया है। यह जानकारी 'द हिल' की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और इस द्वीपीय राष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना है।

क्या है यूएसएस निमित्ज़ स्ट्राइक ग्रुप में खास : अमेरिकी नौसेना के इस शक्तिशाली स्ट्राइक ग्रुप में एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान, ईए-18जी ग्रोवलर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान और सी-2 ग्रेहाउंड सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इसके साथ यूएसएस ग्रिडली विध्वंसक युद्धपोत और स्हस्र पटक्सेंट ईंधन आपूर्ति पोत भी मौजूद हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस निमित्ज ने ताइवान जलडमरूमध्य से लेकर अरब की खाड़ी तक, स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए दुनिया भर में अपनी युद्ध क्षमता साबित की है।

1975 में कमीशन किए गए इस एयरक्राफ्ट कैरियर ने हाल ही में रियो डी जनेरियो के तट पर ब्राजील की नौसेना के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास में भाग लिया था। यह जानकारी ब्राजील में अमेरिकी दूतावास द्वारा दी गई थी।

ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर बढ़ाया दबाव : रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने हाल के दिनों में क्यूबा के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर 1996 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दो नागरिक विमानों को गिराने से संबंधित हत्या और अन्य अपराधों के औपचारिक आरोप लगाए थे, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। ट्रंप ने इसे क्यूबा-अमेरिकी समुदाय के लिए बड़ा क्षण बताया। ट्रंप ने कहा 'यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल क्यूबा अमेरिकियों के लिए, बल्कि क्यूबा से आए उन लोगों के लिए भी एक बहुत बड़ा क्षण था, जो क्यूबा वापस जाना चाहते हैं, क्यूबा में अपने परिवार से मिलना चाहते हैं।' अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता के नाम स्पेनिश भाषा में संदेश जारी किया। उन्होंने क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार को बिजली संकट और आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। रुबियो ने अमेरिका की ईंधन नाकेबंदी नीति का भी समर्थन किया। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने हाल ही में क्यूबा अधिकारियों से मुलाकात की थी। उन्होंने साफ कहा कि बातचीत की संभावना हमेशा खुली नहीं रहेगी।

पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर अमेरिका ने दर्ज किया आपराधिक मामला, ट्रंप बोले- हम क्यूबा को आजाद करा रहे

मियामी , एजेंसी। अमेरिका के संघीय अभियोजकों ने बुधवार को क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की घोषणा की। राउल कास्त्रो पर 1996 में मियामी स्थित निर्वासित समूह के नागरिक विमानों को मार गिराने के मामले में आपराधिक आरोपों की घोषणा की गई। यह मामला 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' नामक समूह द्वारा संचालित दो छोटे विमानों को गिराए जाने से जुड़ा है। उस समय राउल कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। उन पर हत्या और विमान नष्ट करने सहित कई आरोप लगाए गए हैं। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश और न्याय विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मियामी में आयोजित एक कार्यक्रम में इस मामले की घोषणा की। यह कार्यक्रम विमान हादसे में मारे गए लोगों की स्मृति में आयोजित किया गया था।

मुकदमे पर क्या बोले ट्रंप : कास्त्रो पर अभियोग के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मियामी की क्यूबा भाषी आबादी और निश्चित रूप से मियामी से परे भी अटॉर्नी जनरल ने आज जो किया उसकी सराहना करते हैं। क्यूबा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है।' वहीं, क्यूबा में तनाव बढ़ने की आशंका पर ट्रंप ने कहा, 'नहीं। तनाव नहीं बढ़ेगा। उन्होंने वास्तव में क्यूबा पर अपना नियंत्रण खो दिया है।' ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्यूबा को आजाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में पूर्व क्यूबा के राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के अभियोग के बाद क्यूबा के लोगों की मदद करेगा। ट्रंप ने कहा कि द्वीप राष्ट्र में सीआईए की उपस्थिति और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की क्यूबा से जुड़ी जड़ों के कारण अमेरिका को क्यूबा के बारे में महत्वपूर्ण विशेषज्ञता प्राप्त है।

क्यूबा के राष्ट्रपति ने ट्रंप पर साधा निशाना : क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल बर्मुडेज ने अभियोग की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह

केवल क्यूबा क्रांति के अडिग संकल्प के प्रति अमेरिका के अहंकार और हताशा को उजागर करता है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'यह एक राजनीतिक पैंतरा है, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। इसका एकमात्र उद्देश्य उस मनगढ़ंत दस्तावेज को पुख्ता करना है जिसका उपयोग वे क्यूबा के खिलाफ सैन्य आक्रमण की मूर्खता को उचित ठहराने के लिए करते हैं।' गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से क्यूबा पर दबाव बढ़ाने की बात कर रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद क्यूबा के खिलाफ ईंधन आपूर्ति रोकने सहित कई कदम उठाए थे, जिससे वहां बिजली संकट और आर्थिक दबाव बढ़ा।

क्यूबा और अमेरिका के बीच वार-पलटवार जारी : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता से नई नेतृत्व व्यवस्था और मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था की मांग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अमेरिका क्यूबा के साथ संबंधों में नया अध्याय शुरू करने के लिए तैयार है। वहीं, क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस एफ डी कोसियो ने मार्को रुबियो के बयान पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि वह क्यूबा के बारे में बार-बार गलत दावे कर रहे हैं और देश के लोगों के खिलाफ आक्रामक नीतियों को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि राउल कास्त्रो के अमेरिका की हिरासत में आने की संभावना फिलहाल नहीं दिखती। उन्होंने 2006 में अपने भाई फिदेल कास्त्रो से सत्ता संभाली थी और 2018 में सत्ता हस्तांतरित कर दी थी। हालांकि, 2021 में कम्युनिस्ट पार्टी प्रमुख पद छोड़ने के बाद भी उन्हें पर्दे के पीछे प्रभावशाली माना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, 1995 से 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' समूह के विमान हवाना के ऊपर उड़ान भरकर क्यूबा सरकार के खिलाफ पर्चे गिराते थे। क्यूबा ने अमेरिकी सरकार से इस पर आपत्ति जताई थी और चेतावनी दी थी कि वह अपने हवाई क्षेत्र की रक्षा करेगा। 24 फरवरी 1996 को रूसी निर्मित मिग-29 लड़ाकू विमानों ने हवाना के उत्तर में क्यूबा के हवाई क्षेत्र के पास दो निहत्थे सेसना विमानों को मार गिराया था। इस घटना में विमान में सवार चार लोगों की मौत हो गई थी। पूर्व संघीय अभियोजक गाय लुईस ने कहा कि जांच के दौरान क्यूबा के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े संबंधों के प्रमाण मिले थे।

किसानों की यह आमधारणा है कि जितनी अधिक सिंचाई की जायेगी, उतनी ही ज्यादा उपज मिलेगी, किंतु वास्तविकता यह नहीं है. पानी उतना ही लाभदायक है, जितना पौधों की जरूरत है. बाकी जल तो अधिक गहराई तक पौधों की जड़ों की पहुंच से दूर नीचे रिस जाता है और कुछ भाप बनकर उड़ जाता है। रबी की फसलों में सिंचाई का दो तिहाई पानी कच्ची नालियों से रिसकर अन्यथा बहकर नष्ट हो जाता है केवल एक तिहाई भाग पानी ही पौधों को प्राप्त होता है। अत: अगर सिंचाई समयानुसार की जाय तो न केवल सी मिल जल का अच्छा उपयोग होगा, बल्कि ज्यादा क्षेत्रमें भी किसान सिंचाई करके अपने खेत की औसत उपज बढ़ा सकते हैं।

रबी फसलों को पिलाएं संतुलित जल

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले

मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

द्य पौधे पीले पड़ने लगते हैं।

द्य पौधे की बढ़वार रुक जाती है

द्य भूमि में क्षार बढ़ने से ऊसर होने की संभावना है।

द्य अधिक नमी होने के कारण भूमि में पौधों की जड़ों का क्षेत्र घट जाता है जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वन हीं मिल पाते हैं।

रबी फसलों में महत्वपूर्ण सिंचाई की अवस्थाएं

गेहूं

रबी फसलों में गेहूं को ही सबसे अधिक सिंचाई से फायदा होता है देशी उन्नत जातियाँ या गेहूं की ऊंची किस्मों की जल की आवश्यकता 25 से 30 से.मी. है। इन जातियों में जल उपयोग की दृष्टि से तीन अवस्थाएं होती हैं जो क्रमशः कल्ले निकलने की अवस्था (बुआई के 30 दिन बाद), पुष्पावस्था (बुआई के 50 से 55 दिन बाद) और दूधिया अवस्था बुआई के 95 दिन बाद)इन अवस्थाओं में सिंचाई करने से निश्चित उपज में वृद्धि होती है। प्रत्येक सिंचाई में 8 से.मी. जल देना आवश्यक है।

बौने गेहूं की किस्मों को प्रारंभिक अवस्था से ही पानी की अधिक आवश्यकता होती है- क्राउन रुट (शिखर या शीर्ष जड़ें) और शीर्ष जड़े और 'झखड़ा जड़ें' निकलते समय।

बुआई के 15-16 दिन तक पौधा बीज में सुरक्षित भोजन पर जीवित रहता है और अपनी खुराक लेता रहता है। लेकिन इसके बाद बीज का संचित भोजन समाप्त होने लगता है और तब वह धीरे-धीरे भूमि से खुराक खींचना

निकलती हैं। जिस समय ये जड़ें निकलती हैं, उस समय भूमि की सतह नम होनी चाहिए. ऐसे में बुआई के 20-21 दिन बाद खेत में हल्की सिंचाई करना अत्यंत आवश्यक होता है। किसानों को यह बात भली-भांति समझना चाहिए कि शिखर जड़ों से पौधों में कल्लों का विकास होता है, जिससे पौधों में बालियां ज्यादा आती हैं और फलस्वरूप उपज अधिक मिलती है। झखड़ा जड़ें पौधों को प्रारंभिक आधार देती हैं। अतः बुआई के समय हर हालत में खेत में काफी नमी होनी चाहिए. बौनी गेहूं की किस्मों के खेत में पलेवा देकर खेत की तैयारी करने से अच्छा अंकुरण होता है। इन जातियों को 40 से 50 से.मी. जल की कुल आवश्यकता होती है और प्रति सिंचाई 6 से 7 से.मी. जल देना जरूरी है। अगर दो सिंचाई की सुविधा है तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद प्रारंभिक जड़ें निकलने के समय करें दूसरी सिंचाई फूल आने के समय। यदि तीन सिंचाई करना संभव हो तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी पौधों में गाँठ बनते समय (बुआई के 60-65 दिन बाद) और तीसरी सिंचाई पौधों में फूल आने के बाद करनी चाहिए। जहां चार सिंचाईयों की सुविधा हो वहाँ पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी बुआई के 40-45 दिन बाद (पौधों में कल्ले निकलने के बाद) तीसरी बुआई के 60-65 दिन बाद (पौधों में गाँठ बनते समय) और चौथी सिंचाई फूल आते समय करें. चौथी और पाँचवी सिंचाई विशेष लाभप्रद सिद्ध नहीं होती है। इनको उसी समय करना चाहिए जब मिट्टी में पानी की संचय शक्ति कम हो। बलुई या बलुई दोमट मिट्टी में इस सिंचाई की जरूरत होती है। पांचवी सिंचाई उस समय करें जब दानों में दूध पड़ जाये। यदि वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ रहा हो तो छठी सिंचाई हल्की करें। जब दाने में थोड़ी कठोरता नजर आती हो या दूधिया अवस्था बीत गयी हो तो इस सिंचाई को करना बहुत जरूरी नहीं है। परीक्षणों से यही निष्कर्ष निकला है कि यदि 6 सिंचाईयां की जायें तो बौने गेहूं से अधिकतम उपज मिलती है। लेकिन यदि 6 सिंचाईयाँ संभव न हो तो उपयुक्त समय पर उक्त तीन सिंचाईयां तो अवश्य ही करनी चाहिए। पिछेती गेहूं में पहली 5 सिंचाईयां 15 दिनों के अंतर से करें। फिर बालें निकलने के बाद यह अन्तर 9-10 दिन का रखें। पिछेती गेहूं की दैहिक अवस्था पिछड़ जाती है और बालें निकलना और दानों का विकास तो ऐसे समय पर होता है जब वाष्पीकरण तेजी से होता है और ऐसी दशा में खेत में नमी की कमी का दानों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, फलस्वरूप दाना सिकुड़ जाता है। इसीलिए देर से बोये गए गेहूं में जल्दी सिंचाई कम दिनों के अंतर से जरूरी है।

सरसों की ओरोबंकी

ओरोबंकी :- ओरोबंकी या आग्या (ब्रुमरेप) की जातियाँ ूर्ण रूप से मूल परजीवी होती हैं। यह विभिन्न फसलों पर आक्रमण करती हैं जिसमें सरसों, बैंगन, टमाटर, तम्बाकू, फूलगोभी, त्तागोभी, शलजम और कई सोलोनेसी तथा कुसीफेरी कुल के ौधें शामिल हैं। सरसों, तोरिया, राया फसलों पर ओरोबंकी जिप्टिका का आक्रमण सबसे पहले राजस्थान के अलवर, भरतपुर, सवाई माधोपुर क्षेत्र में देखा है। ओरोबंकी सेरनुआ एक ूसरी पर जाति है जोकि बिहार क्षेत्रों में सरसों की फसल पर रजीवी है। सरसों की फसल में इसके प्रकोप से 10 से 70 प्रतिशत तक हानि हो सकती है। यह परजीवी सरसों उगाये जाने वाले सभी क्षेत्रों में जैसे - राजस्थान, उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल एवं उड़ीसा में पाया जाता है।

लक्षण :- ओरोबंकी से ग्रस्त सरसों के पौधे छोटे रह जाते हैं और कभी-कभी मर भी जाते हैं ओरोबंकी के चूषकांग (हास्टोरिया) सरसों की जड़ों में घुस कर पोषक तत्व प्राप्त करते है। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि ओरोबंकी की जड़ें सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधें के नीचे मिट्टी से निकलते हुये ओरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते हैं।

नियंत्रण के उपाय

1. नये क्षेत्रों में बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये। 2. ओरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़ कर या सावधानी से साधारण कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
3. यदि बीज बन गये हों तो पौधों को सावधानी से निकालना चाहिये जिससे बीज भूमि में नहीं मिलें।
4. जिन क्षेत्रों में बहुत अधिक प्रकोप होता है वहां सरसों की फसल ट्रेप क्रोप के रूप में बोनी चाहिये। 30 से 40 दिन में परजीवी के पौधे बाहर निकलते दिखाई दें तो नवम्बर के अंत में गहरी जुताई करके सरसों सहित इसके भूमिगत तने को नष्ट कर देना चाहिये। इसके बाद अन्य फसल बो देना चाहिये।
5. जब तक इसका पूर्ण नियंत्रण नहीं हो जाता सरसों के स्थान पर अरण्डी की फसल बोयें, क्योंकि अरण्डी एक वर्षीय फसल है इससे परजीवी को रोकने में मदद मिलेगी।
6. कुछ पौधों जैसे मिर्च के बोने से ओरोबंकी के बीजों का अंकुरण हो जाता है लेकिन मिर्च की फसल पर इस परजीवी से कोई नुकसान नहीं होता है। इस प्रकार भूमि में मौजूद ओरोबंकी के बीजों को अंकुरित कर इस फसल का ट्रेप फसल के रूप में प्रयोग कर परजीवी के पौधों को नष्ट किया जा सकता है। इस प्रकार मिर्च, सरसों फसल चक्र अपनाने से इस परजीवी का प्राकृतिक रूप से नियंत्रण हो जायेगा।
7. लम्बे समय तक फसल चक्र अपनाकर इसकी उग्रता को रोका जा सकता है।
8. पौधों की भूमि की सतह के पास 25 प्रतिशत ताम्र घोल का छिड़काव करने से परजीवी नष्ट किये जा सकते हैं।
9. ओरोबंकी पौधों पर सोयाबीन के तेल की 2 बूंदे डाल देने से पौधा मर जाता है।
10. सरसों की आग्या रोगरोधी किस्म दुर्गामणि की बुवाई करें।

पशुओं का स्वास्थ्य प्रबंधन

गलघोंटू- यह बीमारी पाश्चुरेल्ला मल्टोसिडा नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होती हैं।

लक्षण- इस बीमारी से ग्रसित पशु को तेज बुखार (106 से 108 डिग्री सेल्सियस तक) हो जाता हैं मुंह से बहुतायत में लार बहती हैं, सिर में तथा अगले दोनों पैरों के बीच दुखदायी सूजन, पेटशूल तथा भूख न लगना, साँस लेने में तकलीफ, खून भरे दस्त, आंखों में सूजन, जीभ बड़ी तथा लाल होना, गिटकने में कठिनाई आदि लक्षण दिखाई देते हैं।

बचाव:- बरसात से पूर्व गलघोंटू रोग विरोधी टीका ऑईल अॅडज्युव्हंट- वैक्सीन जिस पशु का शरीर भार 150 कि.ग्रा. तक हैं उन्हें लगवायें। जिन पशुओं का शरीर भार 150 किलो से ज्यादा हैं उन्हें अॅलम प्रेसिपिटेटेड वॅक्सीन 5 से 10 मिली त्वचा के नीचे लगवायें। टीकाकरण करने से पशु के शरीर में एक वर्ष तक इस रोग विरोधी शक्ति बनी रहती हैं। टीकाकरण न करने पर पशु की मृत्यु हो सकती हैं।

जहरी बुखार- इसे अंग्रेजी भाषा में अॅथ्रेक्स कहते हैं तथा ये बॅसिलस अॅथ्रॅसिस नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होता हैं।

लक्षण- पशु को तेज बुखार होता है, पेट फूल जाता हैं, सभी प्राकृतिक छिद्रो से यानि नॉक, मुंह, योनी द्वार, गुद्वार, कान से गहरे काले रंग का खून बहता हैं जो जमता नहीं हैं यह इस बीमारी का प्रमुख लक्षण हैं। बीमारी बढ़ने पर पशु की मृत्यु हो जाती हैं।

बचाव- बरसात से पहले इस रोग विरोधी टीका आँरी अंथ्रंक्स सीरम और साथ ही ब्रॉड स्पेक्ट्रम प्रति जैविक अंटीसीरम 100 से 350 मि.ली नस में लगवायें।

लंगड़ा रोग- अंग्रेजी में इस रोग को ब्लॅक क्वार्टर नाम से जाना जाता हैं तथा यह क्लोस्ट्रीडियम शोव्हाय नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होता हैं.

लक्षण- पशु को तेज बुखार होता हैं, पुट्ठों पर विशेषकर पिछले पुट्ठे पर तथा शरीर में सूजन पैदा हो जाती हैं। पुट्ठों पर जो सूजन पैदा होती हैं उसे दबाने पर करकर जैसी आवाज आती हैं क्योंकि उसमें जीवाणु गैस (वायु) पैदा करते हैं।

बचाव - बरसात से पूर्व इस रोग विरोधी टीका (अंटीसीरम) 200 से 400 मिली नस में लगवायें।

उपाय- पेनीसिलीन, सिप्रोफ्लोक्सासीन तथा नॉर फ्लोक्सासीन जैसे प्रति जैविक इस रोग को नियंत्रण करने में काफी प्रभावशाली पाये गये हैं। लेकिन पशुओं को इस रोग की बाधा होती ही नहीं चाहिए इसलिये इस रोग विरोधी टीका बरसात से पहले अवश्य लगवा लें.

खुरपका-मुंहपका रोग- इसे अंग्रेजी भाषा मे फूट अंड माउथ डिसीज कहते हैं क्योंकि इस रोग से ग्रसित पशु के पैर तथा मुंह दोनों ज्यादा प्रभावित होते हैं.

लक्षण- इस रोग से ग्रसित पशु को तेज बुखार (104 से 106 डिग्री सेल्सियस तक) हो जाता हैं। पशु के मुंह में छाले हो जाते हैं जो बाद में फूट जाते हैं और वहाँ जख्म बन जाते हैं। इससे पशु के मुंह से लगातार चिपचिपी लार टपकती रहती हैं जो गाढ़ी होती हैं और मुंह से जमीन तक तार के माफिक टपकती रहती हैं। पशु के मुंह में दर्द होने से वह कुछ भी खा नहीं सकता अतः कमजोर हो जाता हैं। इसी प्रकार उसके खुरों के बीच भी फोड़े बन जाते हैं जो बाद में फूटकर वहां भी जख्म बन जाते हैं। पशु को काफी दर्द होने से वह चल-फिर नहीं सकता। अतः चराई नहीं कर सकता। जिससे वह और भी कमजोर हो जाता हैं।

रोग के बढ़ने पर मुंह तथा खुर पैर टेढ़े हो जाते हैं. देशी जातियों की गायों की इस रोग-विरोधी शक्ति संकर तथा विदेशी पशुओं की अपेक्षा ज्यादा होने से वह मरती नहीं हैं लेकिन शरीर में विकृतियाँ जैसे मुंह तथा खुर टेढे होना मुंह के भीतर के दाँत गिर जाना आदि नुकसान तो निश्चित होते ही हैं.

उपाय- बचावः यह रोग विषाणु जन्य होने के कारण इस रोग का कोई उपाय नहीं हैं। रोग होने पर प्रति जैविक देना चाहिए लेकिन पशुओं को यह रोग होना ही नहीं चाहिए इसलिये बरसात से पूर्व इस रोग-विरोधी टीका क्वाड्री -व्हॅलंट फील्ड,वॅक्सीन चमड़ी के नीचे लगवाना चाहिए। यह वर्ष में दो बार लगवायें। यह करवाने से हम अपने अमूल्य पशुधन को इस बीमारी से बचाये रख सकते हैं। अतः टीकाकरण अवश्य करवायें।

टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता

जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

टिकाऊ खेती का लाभ

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.
- टिकाऊ खेती में भूमि, जल, ऊर्जा इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग हम इस प्रकार से करते हैं कि भविष्य में आने वाली पीढ़ियां इसका प्रयोग एवं दोहन ध्यान रखकर कर सकें.

कार्यशाला से बच्चों की प्रतिभा में आता है निखार

कार्यशाला में बच्चों ने सीखें आर्ट्स और क्राफ्ट्स के गुर

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेरुड़ा, जयहरीखाल में जीवन के रंग बच्चों के संग थीम पर आधारित एक दिवसीय नवाचारी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स कार्यशाला आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। कक्षा चार की छात्रा प्रियांशी, कक्षा तीन की काजल, कार्तिक ने कहा कि कार्यशाला के दौरान सीखा कि कचरे से भी सुंदर चीजें बनाई जा सकती है। कार्यशाला के दौरान पेपर से फूल और तितली बनानी सीखी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं से बच्चों की प्रतिभा विकसित होती है। आज के बच्चे इस देश का भविष्य हैं, राष्ट्र की उन्नति और प्रगति के कर्णधार हैं। ये ही बच्चे कल बड़े-बड़े होकर बड़े-बड़े ओहदों पर पहुंचकर इस देश का नाम रोशन करेंगे। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि संकुल केंद्र मठाली के सी.आर.पी. सुमित कुमार चौधरी, विशिष्ट अतिथि नरेश कुमार, सतेश्वरी देवी, अनीता देवी द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजीव थपलियाल, सहायक अध्यापिका ज्योति बौठियाल ने बैज अलंकरण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यशाला का संचालन ग्राम मेरुड़ा निवासी श्रीमती राखी ध्यानी ने किया। एम.एस.सी. रसायन विज्ञान की डिग्री धारक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही श्रीमती राखी ध्यानी ने बच्चों को अपशिष्ट सामग्री से सर्वोत्तम कलाकृतियां, कागज मोड़ कला एवं रंगों का वैज्ञानिक संयोजन सिखाया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि सुमित कुमार चौधरी ने कहा कि ह्नराष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का मूल मंत्र ह्नसमुदाय की सहभागिताह्न है। श्रीमती राखी ध्यानी जैसी शिक्षित युवतियों का आगे आना ह्नवोकल फॉर लोकलह्न की सच्ची मिसाल है। अतिथियों ने विद्यालय परिसर, पुस्तकालय एवं ह्नबाल दीवार पत्रिकाह्न की विशेष सराहना की। प्रधानाध्यापक राजीव थपलियाल ने बताया कि विद्यालय भविष्य में भी प्रतिभा दिवस एवं अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर छात्र-छात्राओं में रचनात्मकता की अभिवृद्धि हेतु इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें।

सुरेश चंद्र अध्यक्ष तो जसपाल सिंह बनें महासचिव

पौड़ी : गढ़वाल सेवानिवृत कर्मचारी संगठन के द्विवार्षिक चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुए। सुरेश चंद्र बड़थ्वाल को अध्यक्ष और जसपाल सिंह रावत को महासचिव चुना गया। इस मौके पर संगठन के वरिष्ठ सदस्यों चंडी प्रसाद नैथानी, जवाहर सिंह नेगी, गोपाल सिंह नेगी और सोबन सिंह पंवार को सम्मानित भी किया गया।निर्वाचन प्रक्रिया नामित पर्यवेक्षक जयदीप रावत, निर्वाचन अधिकारी सीताराम पोखरियाल और सहायक निर्वाचन अधिकारी मनोज काला की देखरेख में सम्पन्न हुई। चुनाव में सुरेश चंद्र बड़थ्वाल को अध्यक्ष और जसपाल सिंह रावत को महासचिव चुना गया। इसके अलावा केदार सिंह गुसाईं उपाध्यक्ष, श्रीधर पंवार कोषाध्यक्ष, दिनेश सिंह रावत संगठन मंत्री व धनीराम उप मंत्री निर्विरोध निर्वाचित हुए। सरदार सिंह रावत को संरक्षक, राजेंद्र सिंह नेगी को संयोजक, बिक्रम सिंह राणा को सलाहकार, सूर्य प्रकाश भट्ट को प्रवक्ता, पुष्कर सिंह रावत को लेखा परीक्षक व जितेंद्र प्रसाद थपलियाल को प्रचार मंत्री की जिम्मेदारी दी गई।

बच्चों को दी अनुशासन और लगन से कार्य करने की प्रेरणा

लैंसडौन में चल रहा सेंट्रल कमांड चिल्ड्रेन समर एडवेंचर कैंप

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : जीआरआरसी लैंसडौन के तत्वाधान में सेंट्रल कमांड चिल्ड्रेन समर एडवेंचर कैंप 2026 का आयोजन लैंसडाउन में किया जा रहा है। समर कैंप 27 मई को सम्पन्न होगा। जीआरआरसी के कमान लाइन (ट्रेनिंग बटालियन) में हो रहे इस कैंप में 141 बच्चे (78 लड़के तथा 63 लड़कियां) हिस्सा ले रहे हैं।

इस कैंप की शुरुआत 18 मई को हुई थी। कैंप के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल, कमांडेंट गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, लैंसडाउन ने बच्चों से विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए उन्हें अनुशासन तथा लगन से अपना कार्य करने की प्रेरणा दी। इस कैंप को मनोरंजक, आकर्षक तथा जानकारी पूर्ण बनाने के लिए कैंप अवधि में विभिन्न प्रकार के खेल, मनोरंजन, एडवेंचर तथा शैक्षणिक गतिविधियों का समन्वय किया गया है। कैंप के दौरान कैंपर बच्चों को लैंसडाउन की सांस्कृतिक विरासत से लेकर, आधुनिकतम प्रशिक्षण सुविधाएं, खेल कूद से लेकर मौलिक विकास तक के हर प्रकार के विषय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस कैंप में बच्चों को प्रशिक्षण देने के लिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों को जीआरआरसी द्वारा आमंत्रित किया गया है।

साथ ही बच्चों को वृक्षारोपण, श्रमदान और स्वच्छता अभियान जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति भी जागरूक बनाया जा रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों से आए बच्चे कैंप की गतिविधियों का पूरी तरह आनंद उठा रहे है। लैंसडाउन का शांत तथा शीतल पर्यावरण इन बच्चों के उत्साह को और बढ़ाने का कार्य कर रहा है।

चेक बाउंस मामले में पूर्व प्रधान को 1.20 लाख रुपये ब्याज सहित लौटाने के दिए आदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : धन वसूली के एक मामले में सिविल जज (जू.डि.) पौड़ी रिजवान अंसारी की अदालत ने पीड़ित के पक्ष में फैसला सुनाया है। अदालत ने आरोपी पूर्व प्रधान को 1.20 लाख रूपये ब्याज सहित भुगतान करने के आदेश दिये है। मामले के अनुसार, पौड़ी तहसील के असवालस्यूं पट्टी स्थित ग्राम नावा निवासी पूरण मल्ल ने अदालत में वाद दायर कर बताया कि ग्राम घुरोली निवासी पूर्व प्रधान महेश चंद्र ने निजी आवश्यकता बताकर उनसे 1.20 लाख रुपये उधार लिए थे। भुगतान न होने पर आरोपी ने 23 नवंबर 2021 को चेक दिया, जो बाउंस हो गया। इसके बाद भी भुगतान नहीं किया गया। वहीं आरोपी पूर्व प्रधान ने अदालत में दावा किया कि उसने कोई उधार नहीं लिया था और वाहन फाइनेंस के नाम पर उसके हस्ताक्षरित चेक व दस्तावेजों का दुरुपयोग किया गया। सुनवाई के दौरान अदालत ने बैंक अभिलेख, चेक और गवाहों के बयान का परीक्षण कर प्रतिवादी के तर्कों को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में खारिज कर दिया। अदालत ने पीड़ित पूरण मल्ल के पक्ष में फैसला सुनाते हुए आरोपी पूर्व प्रधान महेश चंद्र को 1.20 लाख रुपये की मूल धनराशि पर छः प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित भुगतान करने के आदेश दिए हैं। साथ ही 11,730 रुपये न्याय शुल्क भी अदा करना होगा। अदालत ने आरोपी को दो माह के भीतर पूरी राशि चुकाने के आदेश दिये है।

लोगों ने विद्युत समस्या के स्थाई समाधान की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा के चरम पर होने और भीषण गर्मी के बीच शहर में बार-बार बिजली बाधित होने से नाराज विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने शुक्रवार को विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर व्यवस्था सुधारने की मांग उठाई। लोगों का कहना था कि शहर में लगातार ट्रांसफार्मरों में खराबी आने और बिजली आपूर्ति बाधित होने से आम जनता के साथ ही व्यापारियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के चलते बिजली कटने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है, वहीं चारधाम यात्रा के दौरान बाहरी यात्रियों की आवाजाही बढ़ने से बाजारों और प्रतिष्ठानों पर भी अतिरिक्त दबाव बना हुआ है। ज्ञापन सौंपने वालों ने कहा कि यदि जल्द समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो लोगों का आक्रोश बढ़ सकता है।

श्रीनगर में पटरी पर नहीं लौट रही पेयजल आपूर्ति व्यवस्था

श्रीनगर गढ़वाल : नगर में टैंकों की सफाई के बाद शुरू हुई पेयजल आपूर्ति व्यवस्था तीसरे दिन भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट सकी। शुक्रवार को भी कई मोहल्लों में लोगों को घंटों पानी का इंतजार करना पड़ा, जबकि कुछ क्षेत्रों में देर शाम तक ही जलापूर्ति हो सकी। भीषण गर्मी के बीच लोगों को प्राकृतिक जल स्त्रोतों का सहारा लेना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी पूनम देवी ने बताया कि टैंक सफाई के बाद से जल संकट लगातार बना हुआ है, जिससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। वहीं मिस्त्री मोहल्ला निवासी मनोज ने कहा कि कई घरों में दो दिन से पानी नहीं पहुंचा है और लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालात को देखते हुए जल संस्थान ने टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति कराई। सहायक अभियंता अर्पित मित्तल ने बताया कि शुक्रवार को जल संस्थान, जल निगम और नगर निगम के तीन टैंकरों से हनुमान मंदिर क्षेत्र, जीजीआईसी मार्ग, मिस्त्री मोहल्ला, नर्सरी रोड, पौड़ी चुंगी, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग, प्रगति विहार और विद्या विहार समेत कई इलाकों में पानी वितरित किया गया। उन्होंने बताया कि गुरूवार रात बिजली आपूर्ति बाधित रही और रात 12 बजे के बाद लो-वोल्टेज की समस्या के कारण पंप नहीं चल सके। मोटर जलने के खतरे को देखते हुए संचालन रोकना पड़ा। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे बिजली बहाल होने के बाद आपूर्ति शुरू की गई। जल संस्थान ने आशंका जताई है कि दोबारा बिजली कटौती होने पर शाम की जलापूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियंता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई–टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	61-DRM-MB-26-27 Dt : 18.05.2026
कार्य का नाम	Construction of 08 nos type-3 quarters and 06 nos type-4 quarters under ADEN/NBD,
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	16.06.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत	3,16,77,404.09
धरोहर राशि	6,33,600.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	02.06.2026

टैन्डर न. Sr.DEN-IV/Publication/26-27 दिनांक : 22.05.2026 1726/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	56-DRM-MB-26-27 Dt. 13.05.2026	64-DRM-MB-26-27 Dt. 20.05.2026
कार्य का नाम	Slope stability in 5m deep cutting b/w km 1549/07 to 1549/09 in the approach of bridge No. 1262A under ADEN/RK.	Turnout renewals and allied miscellaneous track works in the jurisdiction of SSE/ P.way/DDN under ADEN/HW
निविदा का प्रकार	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil
अनुमानित लागत	1,35,00,585.69	1,04,93,088.62
धरोहर राशि	2,70,000.00	2,09,900.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	16.06.2026 16:00	16.06.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	02.06.2026	02.06.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months	06 Months

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 21.05.2026 1725/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधीक्षक

उ.रे., मंडल रेलवे चिकित्सालय, चिकित्सा विभाग, मुरादाबाद मंडल

सूचना सं. 139-Med/C2C/DH/MB-25 दिनांक: 19.05.2026

उत्तर रेलवे, मंडल रेलवे चिकित्सालय, मुरादाबाद में केस टू केस के आधार पर चिकित्सा परामर्शदाता को अनुबंधित करने हेतु

भारत के राष्ट्रपति व उनकी ओर से मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उ.रे., मुरादाबाद द्वारा मंडल रेलवे चिकित्सालय, मुरादाबाद में स्पेशलिस्ट चिकित्सा परामर्शदाता को एक वर्ष के लिए अनुबंधित करने के लिए निम्नलिखित स्पेशलिस्ट की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

क्र. सं.	विशेषज्ञता का नाम	विशेषज्ञता/विशेष रूचि का क्षेत्र
1	ईएनटी	सामान्य ईएनटी एवं जटिल ईएनटी रोगों का उपचार
2	सामान्य शल्य चिकित्सा	सामान्य शल्य चिकित्सा एवं जटिल शल्य चिकित्सा के मामले
3	अस्थि रोग (ऑर्थोपेडिक्स)	अस्थि शल्य चिकित्सा एवं अन्य जटिल अस्थि रोगों के मामले
4	एनेस्थीसिया	स्त्री रोग सामान्य शल्य चिकित्सा अस्थि शल्य चिकित्सा तथा अन्य मामलों में नियमित एनेस्थेटिस्ट की अनुपस्थिति अथवा जटिल/उच्च जोखिम वाले मामलों हेतु
5	नेफ्रोलॉजी	जटिल गुर्दा रोगों के मामले
7	यूरोलॉजी	मूत्र रोग संबंधी शल्य चिकित्सा एवं अन्य जटिल यूरोलॉजी के मामले
8	त्वचा रोग (डर्मेटोलॉजी)	त्वचा रोगों एवं जटिल त्वचा संबंधी मामलों का उपचार
9	स्त्री रोग एवं प्रसूति रोग	जटिल स्त्री रोग एवं प्रसूति संबंधी मामलों का उपचार एवं शल्य चिकित्सा

आवेदन ए–4 साइज आकार के कागज पर निर्धारित प्रारूप में भरे जाने चाहिए और सभी आवश्यक दस्तावेजों को संलग्न करें।

विज्ञापन का विवरण, आवेदनपत्र उत्तर रेलवे की वेबसाइट https://nr.indianrailways.gov.in/recruitmentinfo पर उपलब्ध हैं।

उम्मीदवारों को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे मुरादाबाद (यूपी) पिन 244001 के कार्यालय में सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियों के साथ विधिवत भरकर हस्ताक्षरित आवेदन पत्र जमा करना चाहिए। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि व समय दिनांक 10.06.2026 को दोपहर 01 बजे तक है।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल

1743/26 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

31 मई से 2 जून तक सीमांत क्षेत्र में आयोजित होगी अल्ट्रा रन एवं माउंटेन बाइक रेस

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कार्यालय सभागार में आगामी ह्ननीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन 2026ह्व के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोजन से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं पर विभागवार चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि नीति एक्स्ट्रीम अल्ट्रा रन 2026 सीमांत क्षेत्र में पर्यटन, साहसिक खेलों तथा वाइब्रेंट विलेज योजना को नई पहचान देने वाला महत्वपूर्ण आयोजन है। कहा कि इस आयोजन के माध्यम से सीमांत क्षेत्रों की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन संभावनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान मिलेगी। इसलिए सभी विभाग आयोजन की व्यवस्थाओं को गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को प्रतिभागियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मेडिकल टीम, एम्बुलेंस, ऑक्सीजन सिलेंडर, प्राथमिक उपचार केंद्र एवं आपात स्वास्थ्य सेवाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने दूरस्थ एवं उच्च हिमालयी क्षेत्रों में संचार व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने हेतु सैटेलाइट फोन उपलब्ध कराने तथा नेटवर्क बाधित क्षेत्रों में वैकल्पिक संचार व्यवस्था बनाए रखने को कहा। बैठक में जिला पर्यटन अधिकारी अरविन्द गौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि ह्ननीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन 2026ह्व का आयोजन उत्तराखण्ड पर्यटन विभाग, भारतीय सेना एवं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में बॉर्डर टूरिज्म इनिशिएटिव के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयोजन के अंतर्गत 5 किमी., 10 किमी, 21 किमी., 42 किमी. एवं 75 किमी. की मैराथन दौड़ आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त 15 किमी. एवं 30 किमी. की माउंटेन बाइक रेस भी आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन 31 मई से 02 जून 2026 तक किया जाएगा। जिला पर्यटन अधिकारी ने बताया कि 75 किमी. अल्ट्रा मैराथन के लिए अब तक 150 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। प्रतियोगिता का रूट रिमखिम-मलारी-नीति-मलारी निर्धारित किया गया है। आयोजन के लिए कुल 933 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें 675 प्रतिभागी उत्तराखण्ड से तथा 258 प्रतिभागी अन्य राज्यों से हैं।

ग्रामोत्थान परियोजना बनीं 29 परिवारों की आय का जरिया

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी सोच के परिणाम अब उत्तराखण्ड में धरातल पर दिखने लगे हैं। राज्य में ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण पहल के तहत आईएफएडी (अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष) के सहयोग और ग्रामोत्थान (ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना) के माध्यम से पशुपालकों, काश्तकारों और हस्तशिल्पियों की आजीविका संवर्द्धन का कार्य जमीन पर उतरने लगा है। जनपद चमोली में वर्तमान में परियोजना 29 हजार परिवारों की आय मजबूत करने का कार्य कर रही है। जनद में सीबीओ और एफपीओ स्तर पर परियोजना की ओर से 27 उद्यमों की स्थापना की गई है, जिनमें से कुछ उद्यमों पर वर्तमान में कार्य प्रगति पर है। ग्रामोत्थान परियोजना की ओर से अल्ट्रा पुअर, इडिविजुअल एन्टरप्राइज, सीबीओ लेवल एन्टरप्राइज योजना के माध्यम से ग्रामीणों को अनुदान प्रदान किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण अपने घरों पर ही बेहतर स्वरोजगार कर अपनी आजीविका को मजबूत कर रहे हैं। जिससे जहां ग्रामीणों की आय मजबूत हो रही है। वहीं राज्य की अर्थव्यवस्था को संबल मिल रहा है। परियोजना प्रबंधक शशिकांत यादव ने बताया कि ग्रामोत्थान परियोजना की ओर से चमोली जनपद में वर्तमान तक कुल 880 अल्ट्रा पुअर लाभार्थियों को विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित किया गया है।

इनमें डेयरी स्थापना में 474, बकरी पालन में 107, दुकान संचालन में 64, कृषि आधारित गतिविधियों में 58, कुक्कुट पालन में 53, टेलरिंग में 43, आटा चक्की में 19, ब्लैकस्मिथ में 12, सब्जी उत्पादन एवं हैंडलूम में 8-8, मधुमक्खी पालन में 8, रिंगाल हस्तशिल्प में 6 तथा अन्य गतिविधियों जैसे मशरूम उत्पादन, मसाला उत्पादन, ब्यूटी पार्लर, चाय की दुकान, फूड प्रोसेसिंग, रेस्टोरेंट आदि में भी सराकर की ओर से निर्धारित अनुदान प्रदान किया गया है। इसके साथ ही परियोजना की ओर से जनपद में फार्म आधारित व्यक्तिगत उद्यमों के अंतर्गत 327 लाभार्थियों को सहायता उपलब्ध कराई गई।

साप्ताहिक परेड में रिक्रूटों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया

नई टिहरी। चंबा पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड अनुशासन, ऊर्जा और उत्साह के साथ आयोजित की गई। एसएसपी श्वेता चौबे ने परेड का नेतृत्व किया।

परेड में पुलिस अधिकारी, जवान और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। एसएसपी ने रिक्रूटों के साथ खुद दौड़ लगाकर उनकी फिटनेस का परीक्षण किया। पुलिस लाइन में आयोजित परेड में एसएसपी ने परेड की सलामी ली। उसके बाद रिक्रूट आरक्षियों के साथ मैदान में दौड़ लगाकर उन्हें फिटनेस और अनुशासन का पाठ पढ़ाया। साप्ताहिक परेड में ड्रिल अभ्यास, शस्त्र संचालन, सामरिक प्रशिक्षण और शारीरिक दक्षता आदि गतिविधियां आयोजित की गई। शस्त्र अभ्यास के दौरान पुलिस बल की फुर्ती, तत्परता और अनुशासन विशेष रूप से देखने योग्य रहा। एसएसपी ने सभी पुलिस कर्मियों को शारीरिक रूप से फिट रहने, मानसिक रूप से सजग रहने और प्रत्येक परिस्थिति में तत्परता एवं अनुशासन के साथ कार्य करने को प्रेरित किया। उसके बाद उन्होंने चंबा पुलिस लाइन में व्यायामशाला, परिवहन शाखा, भोजनालय और प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। एसएसपी ने भोजन की गुणवत्ता बेहतर बनाए रखने, साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने, वाहनों की फिटनेस सुनिश्चित करने और व्यायामशाला में और उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

रसोई गैस की अनियमित आपूर्ति पर विधायक ने जताई नाराजगी

नई टिहरी। जाखणीधार क्षेत्र में रसोई गैस की अनियमित आपूर्ति पर टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने गहरी नाराजगी जताई है। कहा कि सरकार पर्याप्त मात्रा में सिलिंडर उपलब्ध करा रही है, लेकिन एजेंसी गैस का वितरण और प्रबंधन सही तरीके से नहीं कर पा रही है। अंजनीसैंण कस्बे में विधायक उपाध्याय ने इंडिया ऑयल कारपोरेशन, पूर्ति विभाग और स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर गैस आपूर्ति की जानकारी ली। चंद्रबदनी गैस एजेंसी के संचालक विजेंद्र धनोला, प्रबंधक सुमेर सिंह कठैत ने बताया कि गैस सिलिंडर के वाहन को लोग रास्ते में ही रोक दे रहे हैं, जिससे एजेंसी रोस्टर के अनुसार के क्षेत्र में गैस का वितरण नहीं कर पा रही है।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

• मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 06 एस.एल.आर:

गाड़ी सं. 15120 (F-I), 19020 (R-I), 15002 (F-I), 14314 (R-I), 12402 (R-I), 19610 (R-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 3 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 08.06.26 (Timings : 10:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें www.ireps.gov.in वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं। 1746/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

झमाझम बारिश से सुहावना हुआ बदरीनाथ का मौसम

चमोली। पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही है। शुक्रवार को दोपहर बाद बदरीनाथ धाम में झमाझम बारिश होने से वहां का मौसम सुहावना बना हुआ है जबकि गोपेश्वर व आसपास के इलाकों में तेज हवा के साथ बूंदाबांदी होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। बदरीनाथ धाम की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हुई।

शुक्रवार दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट बदली और बदरीनाथ धाम में झमाझम बारिश शुरू हो गई। लोग छाते व रेनकोट में दर्शनों के लिए लाइन में लगे रहे। वहीं बदरीनाथ धाम की ऊंची चोटियों में हल्की बर्फबारी भी हुई है। इससे धाम में ठंडक महसूस हो रही है। धाम में पहुंचे हजारों श्रद्धालु इस मौसम में आनंदित नजर आए। वहीं शाम करीब चार बजे गोपेश्वर व आसपास के क्षेत्रों में भी मौसम बदला और तेज हवा के साथ बूंदाबांदी हुई। हवा इतनी तेज थी कि कई जगह पर लोगों का सामान भी उड़कर दूर तक चला गया। वहीं कर्णप्रयाग में भी हल्की बूंदाबांदी हुई। ऊपरी क्षेत्रों में बारिश के कारण निचले इलाकों में ठंडी हवा चली। शुक्रवार को दोपहर में तापमान 35 डिग्री था जबकि हल्की बूंदाबांदी के बाद तापमान लुढ़कर शाम को 31 डिग्री तक पहुंच गया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

प्रिंस से बोले अर्शदीप अब मुझे नाम से बुलाओ

मुम्बई (ईएममएस)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में शानदार गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किया गया है। ये पहली बार है जब प्रिंस भारतीय टीम से खेलते हुए दिखेंगे। इसी को देखते हुए उन्हें भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने मजेदार अंदाज में बधाई दी। प्रिंस अर्शदीप को भैया कहकर बुलाते है। इसी को देखते हुए अर्शदीप ने कहा है कि अब टीम में आ गया है इसीलिए नाम से बुला। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। ये वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। यह मजेदार और सहज बातचीत दोनों खिलाड़ियों के बीच की अच्छी केमिस्ट्री और अर्शदीप के परिपक्व रवैये को दर्शाती है, जो एक जूनियर खिलाड़ी को बड़े सम्मान के साथ संबोधित करने के लिए कह रहे हैं। यह वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो गया है।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी पंजाब

लखनऊ। आईपीएल में शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम अपने अंतिम लीग मैच में पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। लखनऊ की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर अपनी प्रतिष्ठा बचाना रहेगा। सुपरजायंटस इस सत्र में अभी अंतिम स्थान पर है और उसके केवल 8 अंक है। ऐमें उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर पंजाब के खेल को बिगाड़ना रहेगा। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स टीम किस भी हाल में ये मैच बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी । अभी पंजाब के अभी 13 अंक हैं और वह अगर ये मैच जीतती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे। टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं होगा क्योंकि पिछले छह मैचों से मिली हार से उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इसके अलावा टीम पर अतिरिक्त दबाव भी रहेगा। वहीं सुपर जायंट्स पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है ऐसे में वह निडर होकर आक्रामक अंदाज में उतरेगी जिसको देखते हुए पंजाब को सावधान रहना होगा। पंजाब की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान अर्शदीप सिंह और लॉकी फर्ग्यूसन के पास रहेगी। दूसरी ओर सुपरजायंट की बल्लेबाजी मिचेल मार्श, जोश इंग्लिस के अलावा कप्तान ऋषभ पंत पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान प्रिंस यादव , शाहबाज अहमद के पास रहेगी आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 7 मैच हुए हैं जिसमें से लखनऊ सुपर जायंट्स ने 3 जबकि पंजाब किंग्स ने 4 मैच जीते हैं। ऐसे में दोनो ही टीमें जीत के लिए बराबर की दावेदार नजर आती हैं पर जिस प्रकार से सुपर जायंट्स ने हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को भी हराया था उससे प्रेरित होकर टीम का लक्ष्य इस प्रदर्शन को फिर दोहराना रहेगा। ऐसे में पंजाब को विशेष रुप से सतर्क रहना होगा। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं - लखनऊ सुपर जाइंट्स = ऋषभ पंत (कप्तान), अब्दुल समद, आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, हिम्मत सिंह, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज़ अहमद, अवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, मयंक प्रभु यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिक नोर्किया, जोश इंग्लिस, मोहसिन खान, नमन तिवारी, आकाश महाराज सिंह, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, अक्षत रघुवंशी। पंजाब किंग्स -श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, पाइला अविनाश, यश ठाकुर, हरनूर सिंह, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

शाहीन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पाक टीम

बाबर और राऊफ की वापसी

लाहौर (ईएमएस)। शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने उतरेगी। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। यह घरेलू सीरीज इसी माह के अंत में 30 मई से 4 जून तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी। इस टीम में ऑलराउंडर सलमान अली आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गयी है। इस सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बाबार की इसलिए वापसी हुई है क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाक सुपर लीग (पीएसएल) में अच्छा प्रदर्शन किया था। बाबर के अलावा टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज हारिस रऊफ, प्रतिभाशाली नसीम शाह, उपकप्तान शादाब खान और सुर्फयान मोकीम को भी टीम में जगह दी गयी है। ये सभी भी बांग्लादेश सीरीज में शामिल नहीं थे। चयनकर्ताओं ने टीम में तीन नए खिलाड़ियों को भी अवसर दिया है, जिनमें अहमद दानियाल, अराफात मिन्हास और रोहेल नजीर हैं। इन तीनों खिलाड़ियों को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण का मौका मिल सकता है। वहीं बांग्लादेश सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सलमान अली आगा, अब्दुल समद, अबरार अहमद, माज सादाकत, मुहम्मद ग़ाज़ी घोरी, साहिबजादा फरहान और शमायल हुसैन जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में जगह मिली है। , टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मुहम्मद ग़ाज़ी घोरी और नये खिलाड़ी रोहेल नजीर को दी गई है।

शुभमन ने तीसरी बार आईपीएल में 600 से अधिक रनों के साथ बनाया रिकार्ड

अहमदाबाद ।

गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए शुभमन गिल ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 600 से अधिक रन बनाये हैं। इस प्रकार वह तीन बार इस टूर्नामेंट में ये अहम उपलब्धि हासिल करने वाले कप्तानों की सूची में नंबर एक पर पहुंच गये हैं। शुभमन ने अपने करियर में तीसरी बार और कप्तान के रूप में दूसरी बार यह 600 से अधिक रन किसी एक सत्र में बनाये। इसी के साथ ही शुभमन आईपीएल इतिहास में चौथे ऐसे कप्तान बने हैं जिन्होंने एक सत्र में 600 से ज्यादा रन बनाये हैं। इससे पहले विराट ने 2025 सत्र में 600 से अधिक रन बनाये थे। वहीं शुभमन ने करियर में तीसरी बार 600 से अधिक रन बनाये हैं। इससे पहले उन्होंने 2023 में 890 रन बनाए थे, जो एक सत्र में किसी खिलाड़ी द्वारा बनाये दूसरे सबसे ज्यादा रन है। इस शानदार उपलब्धि के साथ ही शुभमन कप्तान के रूप में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली ने साल 2013 में एक बार उपलब्धि हासिल की थी। तब कोहली भी सबसे कम उम्र में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन सीजन बनाने वाले खिलाड़ी थे। दिग्गज कोहली ने साल 2016 में अपने करियर में दूसरी बार 600 रन से अधिक बनाये थे। वहीं डेविड वॉर्नर एकमात्र अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार सत्र में कप्तान रहते हुए 600 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं।

सीएसके के अंशुल कंबोज के नाम दर्ज हुआ सबसे अधिक छक्के खाने का अनचाहा रिकार्ड

अहमदाबाद ।

तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में शुरुआत से ही शानदार गेंदबाजी की पर अंतिम तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण उनके नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मैच में अंशुल की गेंदों पर चार छक्के लगे। इसी के साथ ही कंबोज के नाम एक आईपीएल सत्र में सबसे ज़्यादा छक्के खाने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया।

इस सत्र में अंशुल ने सीएसके की ओर से कुल 14 लीग मैच खेले और हैरानी की बात है कि इन मैचों में उनपर कुल 34 छक्के लगे। इससे पहले, एक आईपीएल सत्र में सबसे ज़्यादा छक्के खाने का रिकॉर्ड स्पिन राशिद खान के नाम था, जिनके खिलाफ आईपीएल 2025 में 33 छक्के लगे थे।

अंशुल ने हालांकि इस सत्र में अच्छी शुरुआत करते हुए विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में बनाये रखा। इसी कारण वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में भी शामिल रहे। सटीक यॉर्कर और विकेट लेने की क्षमता से वह सीएसके के मुख्य गेंदबाज बनकर उभरे हैं।

उनकी खराब फॉर्म का एक सबसे बड़ा उदाहरण सीएसके के 12वें लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ देखने को मिला था। उस मैच में लखनऊ के बल्लेबाजों ने अंशुल के खिलाफ आठ छक्के लगाए थे, जो एक आईपीएल मैच में किसी भी गेंदबाज द्वारा खाए गए सबसे ज़्यादा छक्कों का रिकॉर्ड है।

छक्कों के इस रिकॉर्ड के अलावा, अंशुल ने आईपीएल 2026 में कुल 530 रन भी दिये। इससे वह इस साल के आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन लुटाने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। हालांकि, यह आईपीएल के एक सीज़न में सबसे ज़्यादा रन लुटाने का ऑल-टाइम रिकॉर्ड नहीं है। वह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस के नाम है, जिन्होंने आईपीएल 2024 के 16 मैचों में कुल 566 रन दिए थे। इस सूची में उनके बाद तुषार देशपांडे के नाम है। तुषार ने आईपीएल 2023 में 564 रन दिये जबकि राशिद खान ने 2023 में 552 रन दिये थे।

संक्षिप्त समाचार

श्रेयस अय्यर की तस्वीर रुसी इंफ्लुएंसर के साथ देखकर प्रशंसक हुए हैरान

मुम्बई ।

आईपीएल में पंजाब किंग्स टीम का प्रदर्शन अच्छी शुरुआत के बाद खराब हुआ है और वह प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए 7 में से 6 मैच जीते थे पर इसके बाद टीम प्रदर्शन खराब हुआ तो उसने रुकने का नाम नहीं लिया। उसे पिछले 6 लगातार मैच में लगातार हार मिली है। जिससे अब टीम प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। इसके लिए टीम को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच हर हाल में जीतना है। वहीं इसी बीच कप्तान श्रेयस श्रेयस अय्यर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर एक पेज चलाने वाली लड़की के साथ देखकर प्रशंसक हैरान हुए हैं और जानना चाहते हैं कि ये लड़की कौन है। ये तस्वीर धर्मशाला में ली गई है, जहां अपने पिछले मुकाबले में 17 मई को पंजाब किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेला था। वहीं ये लड़की इंडोस्वेटिका नाम से सोशल मीडिया पेज चलाती है और एक रूसी ट्रैवल कंटेंट क्रिएटर और इंफ्लुएंसर है। उसका असली नाम स्वेतलाना है और वह भारत में ही रहती हैं और भारतीय संस्कृति, ट्रैवल, खाने-पीने, रोजमर्रा की जिंदगी और ह्यूमर पर वीडियो बनाती हैं। उसके पेज का नाम इंडोस्वेटिका÷ है। वह रूस और भारत के बीच तुलना वाले विषय जैसे चाय, कीमतें, संस्कृति, यात्रा पर बनाती हैं। आईपीएल में वह पंजाब किंग्स का समर्थन करती दिखती हैं। उसने धर्मशाला में कई वीडियो बनाए हैं। इसको उनके इंस्टाग्राम पेज पर देखा जा सकता है। स्वेता की पेज पर 5 हजार फॉलोअर्स हैं। इसलिए श्रेयस की तस्वरी ऐसा लगता है कि यह सिर्फ एक प्रशंसक के तौर पर ली गई तस्वीर है हालांकि प्रशंसक इस तस्वीर को देखकर उत्साहित जरुर हैं।

शिवरामकृष्णन ने बीसीसीआई पर लगाया गंभीर आरोप

मुम्बइ।

पूर्व स्पिनर एल. शिवरामकृष्णन ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर निशाना साधा है। शिवरामकृष्णन ने कहा है कि कुछ साल पहले अपने बड़े भाई के अंतिम संस्कार लिए वह घर लौटे थे पर कुछ ही समय के बाद उन्हें वापस लौटने को कहा गया था। शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया पर कहा कि तब उनके पास बीसीसीआई के एक अधिकारी का फोन आया। अधिकारी ने उनसे पूछा, अब जब अंतिम संस्कार हो गया है तो क्या आप अगली उड़ान से मोहाली में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच की कमेंट्री करने आ सकते हैं? शिवरामकृष्णन ने कहा कि इस कठिन समय में भी उन्होंने अपनरे काम को महत्व दिया और वह मैच के लिए वापस लौटे। इस खिलाड़ी ने कहा कि इसके बाद भी उनको पर्याप्त सम्मान नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने एक और दुखद घटना का जिक्र किया और कहा कि पुणे में जब वह कमेंट्री कर रहे थे तो उनकी माँ का निधन हो गया था। इसके बाद भी वह काम पूरा होने पर ही घर गये थे। शिवरामकृष्णन का कहना है कि इन बलिदानों और समर्पण भाव के बाद भी उन्हें लगातार नजरअंदाज किया गया और कभी भी पर्याप्त अवसर नहीं दिए गए। गौरतब है कि इससे पहले शिवरामकृष्णन ने बीसीसीआई पर भेदभाव का आरोप लगाया था। साथ ही कहा था कि उन्हें काले रंग के कारण भेदभाव का शिकार होना पड़ा था। इसी कारण से उन्होंने परेशान होकर हाल में कमेंट्री कसे भी संन्यास ले लिया था। शिवरामकृष्णन ने अपने करियर में साल 1983 से 1987 के बीच भारतीय टीम के लिए 9 टेस्ट और 16 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैच खेले, जिसमें कुल 41 विकेट हासिल किए। बाद में वह दशक तक कमेंट्री करते रहे। शिवरामकृष्णन ने पहले भी कई बार कहा है कि उन्होंने अपने जीवन भर रंगभेद का सामना किया है और अब वे इसके आदी हो चुके हैं।

वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल बोले, आईपीएल में बिहार की भी टीम हो

मुम्बई । देश के बड़े उद्योगपति और वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल ने कहा है कि बिहार में इतनी प्रतिभाएं है कि आईपीएल में उसकी एक टीम तक बन जाये। इससे अब आईपीएल में बिहार से भी एक टीम लाने की मांग उठने लगी है। अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर कहा कि बिहार में क्रिकेट की आपार प्रतिभाएं है बस उन्हें पहचान के लिए एक मंच मिलना चाहिये। उनके इस बयान के बाद राज्य भर के क्रिकेट प्रेमियों और खेल जगत में उत्साह और चर्चा का माहौल है कि क्या आने वाले समय में बिहार की अपनी एक आईपीएल टीम देखने को मिलेगी।

मूल रूप से बिहार के रहने वाले अनिल अग्रवाल का अपने गृह राज्य से गहरा जुड़ाव हमेशा बना रहता है। वे अक्सर ही बिहार की तारीफ करते हैं और यहां के युवाओं की प्रतिभा का जिक्र करते रहते हैं। उनका यह नया बयान इसी जुड़ाव और राज्य के प्रति उनकी भावनाओं को दिखाता है।

अपने पोस्ट में अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमें अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करती हैं, उसी तरह बिहार की भी एक मजबूत और प्रतिष्ठित आईपीएल टीम होनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि बिहार ने देश को कई बेहतरीन क्रिकेटर दिए हैं, लेकिन फिर भी राज्य को क्रिकेट में वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसका वह अधिकारी है। उन्होंने बिहार में मौजूद क्रिकेट प्रतिभा को सामने लाने के लिए एक बड़े मंच की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बिहार के कुछ असाधारण खिलाड़ियों का उदाहरण भी दिया, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। पटना में जन्मे ईशान किशन ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। समस्तीपुर के युवा वैभव सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं, जबकि गोपालगंज के साकिब हुसैन अपनी शानदार गेंदबाजी से सबका ध्यान खींच रहे हैं। अग्रवाल ने इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों को बिहार में मौजूद असीमित प्रतिभा का प्रमाण बताया, जो केवल सही अवसर और मंच का इंतजार कर रही है। अनिल अग्रवाल ने कहा कि उनका सपना है कि बिहार के युवाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का पूरा अवसर मिले। उन्होंने विश्वास जताया कि अगर बिहार के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और आधुनिक बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाए, तो यहां की टीम दुनिया की शीर्ष क्रिकेट टीमों में से एक बन सकती है।

विनेश मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को लगायी फटकार

केंद्र सरकार को विशेषज्ञ कमेटी बनाने के निर्देश दिए

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के फैसले को लेकर उसे कड़ी फटकार लगायी है। वहीं कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह विनेश के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाकर उनका मूल्यांकन करे और आगामी एशियन गेम्स के चयन ट्रायल में उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करे। विनेश मैटरनिटी ब्रेक के बाद खेल में वापसी कर रही है। वहीं डब्ल्यूएफआई ने विनेश को ट्रायल के लिए आयोग्य घोषित करते हुए कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसमें उन पर नुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए चार सवालों के जवाब मांगे थे। इसके साथ ही डब्ल्यूएफआई ने विनेश के किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में शामिल होने पर 26 जून, 2026 तक रोक लगा दी थी। डब्ल्यूएफआई के इस फैसले के कारण से विनेश नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। विनेश ट्रायल की अनुमति मांगने के लिए डब्ल्यूएफआई के पास पहुंची थीं, लेकिन उनकी अपील को खारिज कर दिया गया था। डब्ल्यूएफआई ने विनेश की नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के ट्रायल में शामिल होने की अपील यह कहकर ठुकरा दी थी कि उनके खिलाफ वाडा के 5.6.1 नियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई चल रही है। डब्ल्यूएफआई के अनुसार, इस नियम के मुताबिक संन्यास से वापसी कर रहे खिलाड़ियों को किसी भी टूर्नामेंट में खेलने से पहले कम से कम छह महीने तक का नोटिस पूरा करना जरूरी होता है।इसके बाद विनेश ने कोर्ट में अपील की जिसमें कहा गया था कि एशियन गेम्स के लिए 30 और 31 मई को होने वाले ट्रायल में शामिल होने की उन्हें अनुमति दी जाये। उसी के बाद कोर्ट का ये फैसला आया है।

शाहीन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पाक टीम

बाबर और राऊफ की वापसी

लाहौर ।

शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने उतरेगी। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। यह घरेलू सीरीज इसी माह के अंत में 30 मई से 4 जून तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी। इस टीम में ऑलराउंडर सलमान अली आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गयी है। इस सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बाबार की इसलिए वापसी हुई है क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाक सुपर लीग (पीएसएल) में अच्छा प्रदर्शन किया था।

क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हारीं अश्मिता चालिहा मलेशिया मास्टर्स में भारत की चुनौती समाप्त

कुआलालंपुर।

भारतीय शटलर अश्मिता चालिहा का मलेशिया मास्टर्स में अभियान शुक्रवार को हार के साथ समाप्त हो गया। अश्मिता को महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क की पूर्व यूरोपियन गेम्स चैंपियन लाइन केयर्सफेल्ड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। अश्मिता के बाहर होने के साथ ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी खत्म हो गई। बैडमिंटन रैंकिंग में 71वें नंबर पर मौजूद अश्मिता ने पहला गेम जीता, लेकिन आखिर में 23वें नंबर की विरोधी खिलाड़ी से 61 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 18-21, 11-21 से हार गईं। भारतीय युवा खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की और गेम के बीच में 11-6 की बढ़त बना ली।

23वीं रैंक वाली केयर्सफेल्ड की जबरदस्त वापसी की और स्कोर को 17-17 से बराबर कर दिया। हालांकि, अश्मिता ने अपना दमखम दिखाया और पहला गेम 23-21 से जीत लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में 10-5 की बढ़त बनाने के बाद अश्मिता लगातार गेम जीतने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रही थीं। हालांकि, केयर्सफेल्ड ने मैच का मोमेंटम बदल दिया, और ब्रेक तक अंतर 11-10 कर दिया। दोबारा गेम शुरू होने पर, केयर्सफेल्ड ने स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। फिर उन्होंने चार पॉइंट की स्ट्रीक के साथ 18-15 की बढ़त बनाई और आखिर में गेम 21-18 से जीतकर अश्मिता को निर्णायक गेम खेलने पर मजबूर कर दिया।

आखिरी गेम 4-4 से बराबरी पर शुरू हुआ, फिर केयर्सफेल्ड ने मैच में पूरा कंट्रोल कर लिया, और 13-6 की बढ़त बना ली। अश्मिता संभल नहीं पाईं, और केयर्सफेल्ड ने आराम से मैच जीतकर निर्णायक सेट 21-11 से अपने नाम कर लिया, जिससे कुआलालंपुर में भारत का अभियान खत्म हो गया।

शराब छोड़ने के बाद बदली मेरी जिंदगी चहल

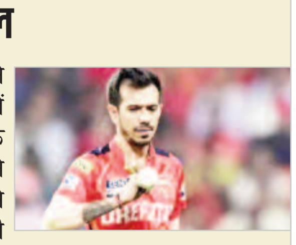

नई दिल्ली । भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल पिछले काफी समय से खराब दौर से गुजरें हैं। इस दौरान उनकी निजी जिंदगी में भी उथल-पुथल रही है। इसी को लेकर चहल ने खुलासा किया है। कि शीराब छोड़ने के उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आया है ओर वह पहले से बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि शराब छोड़ने का फैसला उनके लिए सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ है। इसके कारण वह अवसाद से उबरने में भी सफल रहे हैं। । चहल ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा फैसला है। शराब को अपनी जिंदगी से हटाने के बाद मैं कह सकता हूं कि मेरा जीवन पूरी तरह बदल गया है। अब मैं अपने परिवार और दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताता हूं। उन्होंने आगे बताया कि कैसे इस बदलाव ने उन्हें जीवन में और अधिक स्पष्टता दी है। अब मुझे अपनी लाइफ में क्या चल रहा है, कौन मेरे साथ है और कौन नहीं, यह सब और ज्यादा साफ समझ आता है। पहले मैं इन सब चीजों के बारे में बहुत सोचता था, लेकिन अब मैं अपने पर ध्यान देता हूं। साथ ही कहा कि यह फैसला उन्होंने तब लिया जब उन्हें एहसास हुआ कि शराब उनके लिए सही नहीं थी और वह लिमिट से बाहर जा चुके थे। उन्होंने स्वीकार किया कि उस वक्त वह अवसाद में थे और उनकी मानसिक सेहमत भी ठीक नहीं थी। चहल ने माना है कि इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि उन्हें वापस जाकर इस समस्या को ठीक करना चाहिए।शराब छोड़ने के बाद अब वह गोल्फ और गो-कार्टिंग जैसे खेलों में भी समय बिताते हैं।